Drishti IAS Presents...

PT SPRINT 2024

प्राचीन इतिहास और संस्कृति

(मार्च 2023 – मार्च 2024)

MCQs

Multiple Choice Questions and Answers

Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar, Opp. Signature View Apartment, New Delhi

Drishti IAS, 21 Pusa Road, Karol Bagh New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj, Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road, Vasundhra Colony, Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, **Website:** www.drishtiias.com

Contact: Inquiry (English): 8010440440, **Inquiry (Hindi):** 8750187501

प्रश्न और उत्तर

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पांडवुला गुट्टा मध्यपाषाण काल (लगभग 10,000 ईसा पूर्व से 8,000 ईसा पूर्व) से लेकर मध्यकाल तक के आश्रयों और निवास स्थानों से समृद्ध है।
2. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) का मुख्यालय कोलकाता में है और यह खान मंत्रालय से जुड़ा कार्यालय है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- पांडवुला गुट्टा, हिमालय पर्वत से पहले का एक प्राचीन भू-वैज्ञानिक आकृति है, जिसे आधिकारिक तौर पर तेलंगाना में **एकमात्र भू-विरासत स्थल के रूप में नामित किया गया है।** यह **तेलंगाना के जयशंकर भूपलपल्ली ज़िले में स्थित** है।
- पांडवुला गुट्टा **मध्यपाषाण काल (लगभग 10,000 ईसा पूर्व से 8,000 ईसा पूर्व) से लेकर मध्यकाल तक के आश्रयों और निवास स्थानों से समृद्ध** है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - पांडवुला गुट्टा में **पुरापाषाण (500,000 ईसा पूर्व-10,000 ईसा पूर्व)** गुफा चित्र हैं जो प्रागैतिहासिक जीवन की झलक प्रस्तुत करते हैं।
- **भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण** सुरक्षा और रखरखाव के लिये भू-विरासत स्थलों/**राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक स्मारकों** की घोषणा करता है।
  - GSI एक वैज्ञानिक एजेंसी है जिसकी स्थापना वर्ष 1851 में **रेलवे के लिये कोयला भंडार की खोज** हेतु की गई थी। GSI का **मुख्यालय कोलकाता में** है और यह **खान मंत्रालय** से जुड़ा कार्यालय है। इसके मुख्य कार्यों में राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक सुचना तैयार करना, इन्हें अद्यतन करना और खनिज संसाधनों का आकलन करना शामिल है। **अत: कथन 2 सही है।**

2. 5. एहोल अभिलेख के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह आंध्र प्रदेश में स्थित है।
2. इसकी रचना प्रसिद्ध कवि पंपा के द्वारा की गई थी।
3. यह अभिलेख चालुक्य वंश, विशेषत: राजा पुलकेशिन द्वितीय को एक गीतात्मक श्रद्धांजलि है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल अभिलेख:**
  - यह **कर्नाटक** के ऐहोल में मेगुडी मंदिर में स्थित है, ऐहोल अभिलेख चालुक्य इतिहास में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - इसे प्रसिद्ध कवि रविकृति द्वारा तैयार किया गया था। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - यह अभिलेख चालुक्य राजवंश, विशेषत: राजा पुलकेशिन द्वितीय, को सत्य के अवतार (सत्याश्रय) के रूप में प्रशंसित एक गीतात्मक श्रद्धांजलि है। **अत: कथन 3 सही है।**
  - अभिलेख में विरोधियों पर चालुक्य वंश की विजय का वर्णन है, जिसमें हर्षवर्द्धन की प्रसिद्ध हार भी शामिल है।

3. 'कलारीपयट्टू' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कोजिये:

1. यह एक भारतीय मार्शल आर्ट है जिसकी उत्पत्ति तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईस्वी के दौरान केरल में हुई थी।
2. यह एक व्यक्तिगत युद्ध प्रशिक्षण प्रणाली है जिसमें निहत्थे युद्ध के लिये तीव्र प्रतिक्रिया विकसित करने और लाठी का उपयोग करके कुशल लड़ाई करने के अभ्यास शामिल हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही *नहीं* है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- कलारी पयट्ट (कलारीपयट्टु) का अर्थ है **'युद्ध का मैदान' या 'व्यायामशाला' - (कलारी), 'विधि' या 'कला' - (पयट्ट)**, जिसे कलारी के नाम से भी जाना जाता है। यह एक भारतीय मार्शल आर्ट है **जिसकी उत्पत्ति तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ई.पू. के दौरान केरल में** हुई थी। अब यह केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में प्रचलित है। **अत: कथन 1 सही है।**

- कलारीपयट्टू, व्यक्तिगत युद्ध प्रशिक्षण की एक प्रणाली है, जिसमें निहत्थे युद्ध के लिये त्वरित सजगता विकसित करने तथा लाठी, खंजर, चाकू, भाले, तलवार, ढाल आदि जैसे विभिन्न हथियारों पर कुशल महारत हासिल करने के उद्देश्य से परिकल्पित अभ्यास शामिल हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

4. सुबिका पेंटिंग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह चित्रकला शैली मणिपुर में कुकी समुदाय के सांस्कृतिक इतिहास से संबंधित है।
2. यह पेंटिंग हस्तनिर्मित कागज़ अथवा वृक्ष की छाल पर बनाई जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

व्याख्या:

प्राचीन सुबिका पेंटिंग:

- मणिपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने हेतु **मणिपुर की** प्राचीन **सुबिका पेंटिंग शैली**,जो विलुप्ति की कगार पर है, को पुनर्जीवित करने के लिये व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं।
- सुबिका पेंटिंग शैली **मैतेई समुदाय** के सांस्कृतिक इतिहास से संबंधित है तथा अपनी छह जीवित पांडुलिपियों; सुबिका, सुबिका अचौबा, सुबिका लाईशाबा, सुबिका चौदित, सुबिका चेइथिल तथा थेंगराखेल सुबिका के माध्यम से अस्तित्व में हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- यह पेंटिंग **हस्तनिर्मित कागज़ पर बनाई जाती हैं** तथा पांडुलिपियों के लिये आवश्यक सामग्री, जैसे हस्तनिर्मित कागज़ अथवा वृक्ष की छाल पर तैयार की जाती है। **अत: कथन 2 सही है।**

5. मेदाराम जथारा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार किजिये:

1. मेदाराम जथारा विश्व की सबसे बड़ी जनजातीय धार्मिक सभा है, जो मेदाराम में द्विवार्षिक (प्रत्येक दो वर्ष में) रूप से 'माघ' (फरवरी) महीने में पूर्णिमा के दिन आयोजित की जाती है।
2. मेदाराम जथारा जनजातीय देवी-देवताओं सम्मक्का और सरलम्मा की वीरता की याद दिलाता है, जिन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- मेदाराम जथारा (मुख्य रूप से **कोया जनजाति** द्वारा मनाया जाता है) **विश्व की सबसे बड़ी जनजातीय धार्मिक सभा** है जिसे द्विवार्षिक (दो वर्ष में एक बार) रूप से आयोजित किया जाता है, जिसमें मेदाराम में **'माघ' (फरवरी)** के महीने में पूर्णिमा के दिन इस चार दिवसीय महोत्सव पर लगभग 10 मिलियन लोग एकत्रित होते हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
  - मेदाराम **तेलंगाना के एतुरनगरम वन्यजीव अभयारण्य** में एक दूरस्थ स्थान है।
- मेदाराम जथारा जनजातीय देवी-देवताओं **सम्मक्का और सरलम्मा की वीरता** की याद दिलाता है, जिन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। **अत: कथन 2 सही है।**
  - यह एक ऐसा त्योहार है जिसका कोई **वैदिक या ब्राह्मण प्रभाव नहीं** है।
  - बाघों के समूह के बीच एक नवजात शिशु के रूप में पाई गई सम्मक्का बड़ी होकर एक आदिवासी मुखिया बन गई और उसने पगिदिद्दा राजू (काकतीय सामंती प्रधान) से विवाह किया, जिनकी **दो पुत्रियाँ, सरक्का व नागुलम्मा** तथा **जम्पन्ना नाम का एक पुत्र** था।
  - जथारा के दौरान लोग देवी-देवताओं को **अपने शारीरिक भार के बराबर मात्रा** में **गुड़ के रूप में बांगरम (स्वर्ण)** चढ़ाते हैं और **जम्पन्ना वागु** (धारा) में पवित्र स्नान करते हैं।

6. UNESCO विश्व विरासत सूची नामांकन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सांस्कृतिक और प्राकृतिक मानदंड इस नामांकन की दो श्रेणियाँ हैं। मराठा सैन्य परिदृश्य को सांस्कृतिक मानदंड की श्रेणी में नामांकित किया गया है।
2. नामांकित स्थल "उत्कृष्ट सार्वभौमिक महत्त्व" की होनी चाहिये और दस मानदंडों में से कम-से-कम एक को पूरा करना चाहिये।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही *नहीं* है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- विश्व विरासत सूची उन स्थलों की सूची है जो मानवता और प्रकृति के संबंध में सार्वभौमिक रूप से महत्त्वपूर्ण है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) द्वारा निर्धारित किया गया है।
- वर्ष 2004 से पूर्व, विश्व धरोहर स्थलों का चयन **छह सांस्कृतिक और चार प्राकृतिक मानदंडों** के आधार पर किया जाता था।
  - वर्ष 2005 में, UNESCO ने इन मानदंडों को संशोधित किया और वर्तमान में इसमें दस मानदंड शामिल हैं। इसके आधार पर नामांकित स्थल "उत्कृष्ट सार्वभौमिक महत्त्व" की होनी चाहिये और दस मानदंडों में से कम-से-कम एक को पूरा करना चाहिये। **अत: कथन 2 सही है।**
- सांस्कृतिक और प्राकृतिक मानदंड इस **नामांकन की दो श्रेणियाँ** हैंI मराठा सैन्य परिदृश्य को सांस्कृतिक मानदंड की श्रेणी में नामांकित किया गया है। **अत: कथन 1 सही है।**
- विश्व विरासत सूची में सम्मिलित करने के लिये सांस्कृतिक स्थलों हेतु छह मानदंड (i से vi) तथा प्राकृतिक स्थलों के लिये चार मानदंड (vii से x) हैं।
- **भारत के मराठा सैन्य परिदृश्य** को मानदंड (iii), मानदंड (iv) और मानदंड (vi) **के तहत नामांकित** किया गया है।

7. भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ASI की स्थापना वर्ष 1861 में अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी।
2. यह प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के अनुसार देश में सभी पुरातात्त्विक गतिविधियों को विनियमित करता है।
3. ASI शिक्षा मंत्रालय के नियामक दायरे में आता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI):

- इसकी स्थापना **वर्ष 1861 में ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम ने की थी**। अलेक्जेंडर कनिंघम को **"भारतीय पुरातत्त्व के जनक"** के रूप में भी जाना जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसके अलावा यह **प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्त्व स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958** के प्रावधानों के अनुसार देश में **सभी पुरातात्त्विक गतिविधियों को विनियमित** करता है। **यह पुरावशेष तथा बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम, 1972** को भी नियंत्रित करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) संस्कृति मंत्रालय के तहत **देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन** है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

8. जल्लीकट्टू के बारे में निम्नलिखित में से कितने कथन सही हैं/हैं?

1. यह सांडों को वश में करने का एक खेल है जो तमिलनाडु में पोंगल उत्सव के एक भाग के रूप में प्रचलित है।
2. भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पशु क्रूरता के आधार पर इसे प्रतिबंधित कर दिया गया है।
3. इसका उल्लेख प्राचीन तमिल महाकाव्य शिल्प्पादिकारम में मिलता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- जल्लीकट्टू सांडों को वश में करने का एक पारंपरिक खेल है जिसमें प्रतिभागी सांड के कूबड़ को पकड़कर उस पर लटकने का प्रयास करते हैं जबकि सांड भागने की कोशिश करता है।
  - यह **तमिलनाडु** में जनवरी के दूसरे सप्ताह में **फसल उत्सव पोंगल** के दौरान मनाया जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- भारतीय पशु कल्याण बोर्ड और अन्य पशु अधिकार समूहों की एक याचिका के बाद, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पशु क्रूरता के आधार पर 2014 में जल्लीकट्टू पर प्रतिबंध लगा दिया था।
  - हालाँकि 2017 में तमिलनाडु सरकार ने जलीकट्टू को अनुमति देने के लिये एक अध्यादेश पारित किया, जिसे बाद में 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- **जलीकट्टू** का संदर्भ तमिल साहित्य के **पाँच महान महाकाव्यों में से एक शिल्प्पादिकारम** में वर्णित है, जो संगम काल (300 ईसा पूर्व) में लिखा गया था। **अत: कथन 3 सही है।**

9. निम्नलिखित पर विचार कीजिये :

1. द्वारका
2. जोशीमठ
3. श्रृंगेरी

उपर्युक्त में से कितने मठों की स्थापना आदि शंकराचार्य ने की थी ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- **परिचय: शंकराचार्य** (शंकर के मार्ग के शिक्षक), **एक धार्मिक उपाधि** है जिसका उपयोग **चार प्रमुख मठों या पीठों के प्रमुखों** द्वारा किया जाता है, जिनके बारे में माना जाता है कि इन्हें **आदि शंकराचार्य (लगभग 788 ई.-820 ई.) द्वारा** स्थापित किया गया था।
  - परंपरा के अनुसार, वे धार्मिक शिक्षक हैं जो स्वयं आदि शंकराचार्य तक जाने वाले **शिक्षकों की एक पंक्ति से संबंधित** हैं, हालाँकि 14 वीं शताब्दी ईस्वी से पहले इसके बारे में **ऐतिहासिक साक्ष्य दुर्लभ** हैं।
- **मठ:** ये चार मठ **द्वारका (गुजरात), जोशीमठ (उत्तराखंड), पुरी (ओडिशा) एवं श्रृंगेरी (कर्नाटक)** में हैं।
- अत: तीनों विकल्प सही हैं। अत: विकल्प C सही है।
  - वे धार्मिक **तीर्थस्थलों**, **मंदिरों**, **पुस्तकालयों** और **आवासों** के रूप में कार्य करते हैं। वे शंकर की परंपरा को संरक्षित और प्रचारित करने मेंमहत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

10. 'गंगासागर मेले' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. गंगासागर मेला मकर संक्रांति के दौरान लगता है और यह भारत का सबसे बड़ा तीर्थ मेला है।
2. यह वार्षिक तीर्थ मेला गंगा नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर सागर द्वीप पर आयोजित किया जाता है।
3. केंद्र सरकार द्वारा इसे राष्ट्रीय मेले का दर्जा दिया गया है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही नहीं हैं/हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- गंगासागर मेला, जो मकर संक्रांति (जनवरी के मध्य) के दौरान लगता है, कुंभ मेले के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा तीर्थ मेला है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- यह वार्षिक तीर्थ मेला लाखों लोगों को गंगा और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थित सागर द्वीप की ओर आकर्षित करता है एवं प्रसिद्ध राजा भागीरथ द्वारा गंगा के पृथ्वी पर अवतरण का स्मरण कराता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- पश्चिम बंगाल सरकार मेले को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग कर रही है, जिससे **केंद्रीय वित्त पोषण और बुनियादी अवसंरचना के विकास में वृद्धि होगी,** जिससे पश्चिम बंगाल में पर्यटन एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

11. मंदिर वास्तुकला की नागर शैली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका उदय लगभग 7वीं शताब्दी ईस्वी में गुप्त काल के अंत में दक्षिणी भारत में हुआ।
2. नागर शैली में निर्मित मंदिर एक ऊँचे चबूतरे पर बनाए जाते हैं जिसमें गर्भ गृह मंदिर का सबसे पवित्र हिस्सा होता है।
3. एक विशिष्ट नागर-शैली के मंदिर में गर्भगृह के चारों ओर एक प्रदक्षिणा पथ भी शामिल होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

मंदिर वास्तुकला की नागर शैली:

- **पाँचवीं शताब्दी ईस्वी** के आसपास उत्तरी भारत में **गुप्त काल के अंत** में मंदिर वास्तुकला की नागर शैली का उदय हुआ। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- इसकी तुलना द्रविड़ शैली से की जाती है जिसकी उत्पत्ति भी उसी समय दक्षिणी भारत में हुई थी।
- नागर शैली में निर्मित मंदिर एक ऊँचे चबूतरे पर बनाए जाते हैं, जिसमें गर्भ गृह (देवता की प्रतिमा का विश्राम स्थल) मौजूद होता है जो मंदिर का सबसे पवित्रतम स्थल होता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- एक विशिष्ट नागर शैली के मंदिर में गर्भगृह के चारों ओर एक प्रदक्षिणा पथ तथा उसके समान धुरी पर एक अथवा अधिक मंडप (हॉल) भी शामिल होते हैं। इसकी दीवारों पर विस्तृत भित्ति चित्र तथा नक्काशी इसकी विशेषता है। **अत: कथन 3 सही है।**

12. 'मधिका भाषा' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मधिका ब्राह्मी लिपि वाली एक भाषा है और तेलुगु, तुलु, कन्नड़ तथा मलयालम का मिश्रण है।
2. मधिका की उपेक्षा को चकलिया समुदाय से जुड़े सामाजिक विद्वेष के लिये ज़िम्मेदार ठहराया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- **मधिका** एक ऐसी भाषा है जिसकी **कोई लिपि नहीं** है और यह **तेलुगु, तुलु, कन्नड़** तथा **मलयालम** का मिश्रण है। यह कन्नड़ के समान होने के बावजूद, अपने **विविध भाषायी प्रभावों** के कारण सुनने वालों को भ्रमित करती है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- मधिका काफी हद तक कन्नड़ के पुराने रूप **हव्यक कन्नड़** से प्रभावित है।
- मधिका की उपेक्षा को **चकलिया समुदाय** से जुड़े सामाजिक विद्वेष के लिये ज़िम्मेदार ठहराया जाता है और उन्हें **अछूत** समझा जाता था। **अत: कथन 2 सही है।**
- दस्तावेज़ीकरण की कमी (कोई स्क्रिप्ट नहीं) और पुराने वक्ताओं के निधन के कारण, एक महत्त्वपूर्ण जोखिम है कि **मधिका व्यक्तियों से परे जीवित नहीं रह सकती है।**

13. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	GI टैग	राज्य
1.	आदि केकिर	अरुणाचल प्रदेश
2.	तंगेल साड़ी	पश्चिम बंगाल
3.	कच्ची खरेक	गुजरात

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं?

A. केवल 1
B. केवल 1 और 2
C. केवल 2 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

- **अरुणाचल प्रदेश- आदि केकिर:** अदरक की किस्म। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- **पश्चिम बंगाल-तांगेल साड़ी:** विशिष्ट बुनाई पैटर्न से युक्त बंगाल की साड़ी शैली। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- **गुजरात- कच्ची खारेक:** खलल (अंकुरित अवस्था) में चुने गए खजूर के उत्पाद जो विशिष्ट रंग वाले, कुरकुरे तथा मीठे होते हैं। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।**

अत: विकल्प D सही है।

14. 'यक्षगान मेले' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यक्षगान कर्नाटक का एक अनोखा नृत्य-नाट्य प्रदर्शन है।
2. इसमें सभी भूमिकाएँ पुरुषों को निभाते हुए दिखाया गया है और महिलाओं के लिये कोई विशेष भूमिका नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- यक्षगान **कर्नाटक का एक अनोखा** नृत्य-नाट्य **प्रदर्शन** है। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसमें परंपरागत रूप से पुरुषों को सभी भूमिकाएँ निभाते हुए दिखाया गया है। **लेकिन महिलाएँ अब इन मंडलियों का हिस्सा हैं। अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- मुख्य तत्त्वों में **रामायण या महाभारत** जैसे हिंदू महाकाव्यों की प्रासंगिक कहानियाँ शामिल हैं।
  - **चंदे, हारमोनियम, मैडेल, ताल** और बाँसुरी जैसे संगीत वाद्ययंत्र इन प्रदर्शनों के साथ होते हैं।
- **सालिग्राम मेला, धर्मस्थल मेला और मंदारथी मेला** जैसे विभिन्न प्रसिद्ध मंडल पूरे वर्ष यक्षगान का प्रदर्शन करते हैं।

15. गणतंत्र दिवस परेड की झाँकी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. गणतंत्र दिवस परेड के लिये झाँकियों का चयन गृह मंत्रालय की एक विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाता है।
2. गैर-चयनित राज्य और केंद्र शासित प्रदेश गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान लाल किले पर छह दिवसीय कार्यक्रम भारत पर्व में अपनी झाँकी प्रदर्शित कर सकते हैं।
3. सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिये तीन साल के चक्र (2024-2026) के भीतर गणतंत्र दिवस परेड में अपनी झाँकियां पेश करने के लिये एक चक्रीय कार्यक्रम स्थापित की है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या :

- **रक्षा मंत्रालय (Ministry of Defence - MoD)** परेड के संचालन और राज्यों तथा अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय व्यवस्था के लिये ज़िम्मेदार है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- रक्षा मंत्रालय ने उन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिये एक प्रावधान शामिल किया है जिन्हें गणतंत्र दिवस परेड हेतु भारत पर्व पर अपनी झाँकी दिखाने के लिये नहीं चुना गया है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - भारत सरकार गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में 26-31 जनवरी तक छह दिवसीय मेगा कार्यक्रम "भारत पर्व" का आयोजन करती है। यह वैकल्पिक कार्यक्रम ऐतिहासिक लाल किले पर होता है।
- सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिये एक **चक्रीय कार्यक्रम (rotational plan) को अंतिम रूप दिया है** कि प्रत्येक **राज्य और केंद्र शासित प्रदेश** को **तीन साल के चक्र (2024-2026) के अंदर** गणतंत्र दिवस परेड में अपनी झाँकी प्रस्तुत करने का अवसर मिले। **अत: कथन 3 सही है।**
  - 28 राज्यों द्वारा सहमत चक्रीय पद्धति का उद्देश्य सभी क्षेत्रों को समान अवसर प्रदान करना, राजनीतिक पूर्वाग्रह के आरोपों को कम करना और अधिक समावेशी उत्सव को प्रोत्साहित करना है।

16. भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसकी स्थापना विलियम जोन्स ने की थी।
2. यह राष्ट्र के पुरातत्त्व अनुसंधान के लिये प्रमुख संगठन है।
3. प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल और अवशेष (AMASR) अधिनियम, 1958 ASI के कार्यों को नियंत्रित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI):

- इसकी स्थापना वर्ष **1861 में ASI के प्रथम महानिदेशक अलेक्ज़ैंडर कनिंघम** ने की थी। अलेक्ज़ैंडर कनिंघम को "भारतीय पुरातत्त्व के जनक" के रूप में भी जाना जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- **संस्कृति मंत्रालय** के तहत ASI, देश की सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान तथा संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन है। **अत: कथन 2 सही है।**
- ASI, **प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल और अवशेष (Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains-AMASR) अधिनियम, 1958** के तहत देश के भीतर सभी पुरातात्त्विक स्थलों की देख-रेख करता है। **अत: कथन 3 सही है।**

17. निम्नलिखित मंदिर वास्तुकला पर विचार कीजिये:

1. वल्लभी
2. फमसाना
3. भूमिजा

उपर्युक्त में से कितने नागर शैली से संबंधित हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- **मंदिर वास्तुकला की नागर शैली के पाँच प्रकार:**
  - **वल्लभी:**
    - यह विधा **बैरल-छत वाली लकड़ी की संरचना** की चिनाई के रूप में शुरू होती है या तो गलियारे के बिना या उनके साथ, जो अमूमन **चैत्य हॉल** (प्रार्थना कक्ष, जो आमतौर पर बौद्ध मठों से संबंधित होते हैं) में पाए जाते हैं। इसमें कई स्तंभ मौजूद होते हैं जो अमूमन स्लैब के माध्यम से निर्मित किये जाते थे।
  - **फमसाना:**
    - फमसाना में **विशिष्ट प्रकार का शिखर** होता है और साथ ही **कई स्तंभों के समूह** होते हैं जो कई स्लैब के माध्यम से निर्मित होते हैं। यह प्रारंभिक नागर शैली से संबंधित है तथा **वल्लभी शैली में प्रगति को दर्शाता है।**
  - **लैटिना या रेखा-प्रासाद:**
    - लैटिना एक **शिखर** है जो एक **एकल, वर्गाकार स्तंभ** होता है जिसकी चार भुजाएँ समान लंबाई की होती हैं। यह

गुप्त काल में अस्तित्व में आया जिसमें सातवीं शताब्दी की शुरुआत तक दीवारों को अंदर की ओर वक्रित करने की विशिष्टता शामिल की गई। यह संपूर्ण उत्तरी भारत में फैल गया। तीन शताब्दियों तक इसे नागर मंदिर वास्तुकला का शिखर माना जाता था।

- **शेखरी:**
  - इसमें शेखरी प्रकार का एक शिखर होता है जिसमें एक **मुख्य शिखर तथा** किनारों एवं कोनों पर **उप-शिखर शामिल** हैं। ये उप-शिखर शिखर के अधिकांश भाग तक पहुँच सकते हैं तथा एक से अधिक आकार के हो सकते हैं।
- **भूमिजा:**
  - भूमिजा शैली में क्षैतिज तथा ऊर्ध्वाधर पंक्तियों में व्यवस्थित लघु शिखर शामिल होते हैं, जो **शिखर के समक्ष एक ग्रिड** के रूप में कार्य करते हैं। **वास्तविक शिखर अमूमन पिरामिड आकार का होता है**, जिसमें लैटिना का वक्र कम प्रदर्शित होता है। **दसवीं शताब्दी के बाद मिश्रित लैटिना से यह शैली उत्पन्न हुई।**

- **अत: विकल्प C सही है।**

18. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	उत्सव	राज्य
1.	उत्तरायण	असम
2.	बिहू	गुजरात
3.	पोंगल	तमिलनाडु

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **मकर संक्रांति:**
  - मकर संक्रांति, सूर्य के अंतरिक्ष में भ्रमण के दौरान मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है।
  - यह दिन **गर्मियों की शुरुआत और हिंदुओं** के लिये छह महीने की शुभ अवधि का भी प्रतीक है, जिसे **उत्तरायण (सूर्य की उत्तर दिशा की ओर गति) के रूप** में जाना जाता है।
    - **'उत्तरायण'** के आधिकारिक उत्सव के एक भाग के रूप में, **गुजरात सरकार वर्ष 1989 से अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव** की मेज़बानी कर रही है। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।**
- **बिहू:**
  - यह तब मनाया जाता है जब असम में वार्षिक फसल होती है। असमिया नववर्ष की शुरुआत को चिह्नित करने के लिये लोग माघ बिहू/भोगाली बिहू मनाते हैं। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- **पोंगल:**
  - पोंगल शब्द का अर्थ है **'अतिप्रवाह' या 'उबलना'।**
  - **तमिल** लोग चावल के पाउडर से अपने घरों में **कोलम नामक पारंपरिक डिज़ाइन** बनाकर इस अवसर का जश्न मनाते हैं। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।**

19. निम्नलिखित में से किस शहर को अक्सर 'जैन काशी' के रूप में जाना जाता है?

A. हम्पी
B. वैशाली
C. मूडबिद्री
D. उज्जैन

उत्तर: C

व्याख्या:

कर्नाटक के दो तटीय शहर **मूडबिद्री** और **करकला**, हज़ारों साल पहले के अपने प्राचीन जल निकायों को पुनर्जीवित कर रहे हैं।

- ये जल निकाय इन शहरों की प्राकृतिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं, जो अपने जैन मंदिरों एवं मठों के लिये भी जाने जाते हैं।

- **मूडबिद्री** शहर को **'जैन काशी'** (जैनियों का बनारस) के रूप में जाना जाता है। यह **जैन मंदिरों (बसदि और निशिदि)** के साथ-साथ मठों का भी केंद्र है। **अत: विकल्प C सही है।**

20. निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिये:

	नृत्य	राज्य
1.	कोलाट्टम	अरुणाचल प्रदेश
2.	पोनुंग	आंध्र प्रदेश
3.	बगुरुम्बा	असम

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 1 और 2
C. केवल 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

- **कोलाट्टम आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु** राज्यों का लोक नृत्य है। यह एक धार्मिक प्रस्तुति का हिस्सा है, जहाँ महिला नर्तकियाँ **आंध्र प्रदेश के कई क्षेत्रों में मंदिर की देवी को श्रद्धांजलि अर्पित** करती हैं। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।**
- **पोनुंग अरुणाचल प्रदेश के आदि आदिवासी (Adi Tribal)** समुदाय द्वारा किया जाने वाला फसल नृत्य है। यह **फसल कटाई कार्य से ठीक पहले आयोजित होने वाले उत्सव में नृत्य** किया जाता है। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- **बगुरुम्बा असम राज्य और उत्तर पूर्व भारत** में रहने वाले स्वदेशी **बोरो लोगों का एक पारंपरिक नृत्य** है। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।**

21. बिहार के मिथिला क्षेत्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मिथिला का एक समृद्ध तथा प्राचीन इतिहास रहा है, जिसका इतिहास वैदिक काल (1500-500 ईसा पूर्व) से प्रारंभ है।
2. इसके उत्तर में हिमालय, दक्षिण में गंगा, पश्चिम में महानंदा नदी और पूर्व में गंडकी नदी है।
3. इसे **महला** के नाम से भी जाना जाता है जिसका उल्लेख बिहार, बंगाल एवं उड़ीसा के संयुक्त प्रांतों के राजस्व रिकॉर्ड में किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- मिथिला का एक समृद्ध तथा प्राचीन इतिहास रहा है, जिसका इतिहास **वैदिक काल (1500-500 ईसा पूर्व)** से प्रारंभ है, उस दौरान यह **भारत के 16 महाजनपदों** में से एक था। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसके **उत्तर में हिमालय, दक्षिण में गंगा, पश्चिम में गंडकी नदी तथा पूर्व में महानंदा नदी** है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- इसे **महला** के नाम से भी जाना जाता है जिसका उल्लेख बिहार, बंगाल एवं उड़ीसा के संयुक्त प्रांतों के राजस्व रिकॉर्ड में किया गया है। **अत: कथन 3 सही है।**
  - मिथिला, जिसे **तिरहुत अथवा तिरभुक्ति** के नाम से भी जाना जाता है, एक ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक रूप से महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है जिसमें दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, सुपौल, सहरसा, मधेपुरा एवं बिहार व नेपाल के निकटवर्ती क्षेत्र शामिल हैं।

22. चवित्तुनाटकम, एक नाटक रूप हाल ही में समाचारों में देखा गया था। यह निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित है?

A. आंध्र प्रदेश
B. केरल
C. कर्नाटक
D. मणिपुर

उत्तर: B

व्याख्या:

- **चवित्तु नाटकम, एक रंगीन और सशक्त थिएटर रूप, एक लोक कला रूप माना जाता है** जो पात्रों के आकर्षक मेकअप, **उनकी विस्तृत वेशभूषा, हावभाव** तथा अच्छी तरह से परिभाषित शारीरिक गतिविधियों के लिये जाना जाता है।
- ऐसा माना जाता है कि **ईसाई धर्म के प्रसार के साथ केरल के कोडुंगल्लूर में इस कला का विकास** हुआ। माना जाता है कि पुर्तगालियों ने इस कला रूप को केरल में पेश किया था।
- **अत: विकल्प A सही है।**

23. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. शाही ईदगाह मथुरा में एक तीन गुंबद वाली मस्जिद है जो कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के निकट स्थित है।
2. उपासना स्थल अधिनियम, 1991 जो 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में था, किसी भी उपासना स्थल की प्रकृति को बदलने पर रोक लगाता है।
3. यह अधिनियम प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्मारकों पर लागू नहीं होता है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने हाल ही में निर्णय सुनाया कि मथुरा में **तीन गुंबद वाली मस्जिद शाही ईदगाह** के लिये एक सर्वेक्षण किया जाएगा। यह **मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर** के निकट स्थित **शाही ईदगाह मस्जिद** का निरीक्षण करने के लिये एक न्यायालय आयोग के नियुक्ति की मांग कर रहा है। **अत: कथन 1 सही है।**
- उपासना स्थल अधिनियम, 1991 जो 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में था, किसी भी उपासना स्थल की प्रकृति को बदलने पर रोक लगाता है। इसमें किसी भी पूजा स्थल के रूपांतरण पर रोक लगाने के साथ उनकी धार्मिक प्रकृति के रखरखाव को सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है। **अत: कथन 2 सही है।**
- यह अधिनियम **प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958** के तहत शामिल प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारकों, पुरातात्विक स्थलों पर लागू नहीं होता है। इसमें उन मामलों को भी शामिल नहीं किया गया है जिनका समाधान पहले ही हो चुका है या ऐसे विवाद जो आपसी समझौते से हल किये गए हैं। **अत: कथन 3 सही है।**

24. मुडियेट्टू के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह केरल का एक पारंपरिक अनुष्ठान थिएटर और लोकनृत्य नाटक है जो देवी काली और राक्षस दारिका के बीच लड़ाई की पौराणिक कहानी पेश करता है।
2. यह अनुष्ठान भगवती या भद्रकाली उपासना पद्धति का हिस्सा है और फसल कटाई के मौसम के बाद फरवरी और मई के बीच आयोजित किया जाता है।
3. इसे वर्ष 2010 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- मुडियेट्टू केरल की एक पारंपरिक नृत्य नाटिका है जो देवी काली और राक्षस दरिका के बीच लड़ाई की पौराणिक कहानी पर आधारित है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - यह भगवती अथवा भद्रकाली उपासना पद्धति का हिस्सा है और आमतौर पर फसल कटाई के बाद फरवरी और मई के बीच भगवती मंदिरों में आयोजित किया जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- मरार और कुरुप्पु समुदायों के सदस्य इसका प्रदर्शन करते है, वे अपने चेहरे पर रंग लगाते हैं और काफी बड़ी और रंगीन पोशाक व टोपी पहनते हैं।
  - इसमें शिव, नारद, दारिका, काली, दानवेंद्र, कोइचादर और कुली जैसे विभिन्न पात्र रूप शामिल हैं।
- विजयी काली द्वारा दारिका का सिर पकड़कर मंच पर प्रवेश करने के साथ इस अनुष्ठान का समापन होता है, जिसके बाद शिव की स्तुति गीत का गायन होता है।
- इसे वर्ष 2010 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया था और इससे पूर्व कुटियाट्टम को विरासत सूची में शामिल किया गया था। **अत: कथन 3 सही है।**

25. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (NMC) के नए लोगो में भगवान विष्णु के अवतार भगवान कृष्ण की रंगीन छवि है।
2. धन्वंतरि को हिंदू धर्म में चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली आयुर्वेद से जुड़े देवता के रूप में पूजा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

व्याख्या:

- नए लोगो में भगवान विष्णु के अवतार **धन्वंतरि** (जिन्हें **हिंदू पौराणिक कथाओं में आयुर्वेद का देवता** माना जाता है) की रंगीन छवि अंकित है। नए लोगो में 'इंडिया' शब्द के स्थान पर 'भारत' शब्द का प्रयोग किया गया है और इसमें **राष्ट्रीय प्रतीक** शामिल नहीं है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- धन्वंतरि **हिंदू धर्म में चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली आयुर्वेद से जुड़े देवता** के रूप में पूजनीय हैं। वे **उपचार, कल्याण और स्वास्थ्य** के प्रतीक हैं। चित्रों में उन्हें आमतौर पर औषधीय जड़ी-बूटियाँ और पवित्र पात्र लिये चार हाथों वाले के साथ प्रदर्शित किया

जाता है और हिंदू संस्कृति में स्वास्थ्य व चिकित्सा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व माना जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**

26. धरोहर को अपनाएँ कार्यक्रम 2.0 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा वर्ष 2017 में शुरू किये गए 'धरोहर को अपनाएँ' कार्यक्रम का एक नवीन संस्करण है।
2. इस कार्यक्रम का उद्देश्य विरासत स्थलों के रखरखाव, विकास और संचालन में विभिन्न निजी-सार्वजनिक हितधारकों को शामिल करना है, जिससे इन स्थलों के स्थायी रखरखाव के साथ ही आगंतुकों को सुखद अनुभव प्रदान किया जा सकेगा।
3. कार्यक्रम के तहत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) पहल के हिस्से के रूप में कॉर्पोरेट संस्थाएँ चयनित स्मारकों के रखरखाव व विकास का कार्य करेंगे।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. तीनों
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

हाल ही में **संस्कृति मंत्रालय** ने **धरोहर को अपनाएँ कार्यक्रम (एडॉप्ट ए हेरिटेज कार्यक्रम) 2.0** के संबंध में अद्यतन जानकारी साझा की।

- यह कार्यक्रम **भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण** (ASI) द्वारा वर्ष 2017 में शुरू की गई **'धरोहर को अपनाएँ'** का एक **नवीन संस्करण** है तथा यह **प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्त्व स्थल व अवशेष अधिनियम** (AMASR), 1958 के अनुसार विभिन्न स्मारकों के लिये आवश्यक सुविधाओं को स्पष्टता से परिभाषित करता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य विरासत स्थलों के रखरखाव, विकास और संचालन में विभिन्न **निजी-सार्वजनिक हितधारकों** को शामिल करना है, जिससे इन स्थलों के स्थायी रखरखाव के साथ ही आगंतुकों को सुखद अनुभव प्रदान किया जा सकेगा। **अत: कथन 2 सही है।**
- कार्यक्रम के तहत **कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व** (CSR) पहल के हिस्से के रूप में कॉर्पोरेट संस्थाएँ चयनित स्मारकों के रखरखाव व विकास का कार्य करेंगे। **अत: कथन 3 सही है।**

27. UNESCO के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का उदाहरण नहीं है?

A. कुटियट्टम, भारत का संस्कृत रंगमंच
B. रामलीला, भारत की रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन
C. ताज महल, भारत का एक मकबरा
D. योग, भारत का एक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास

उत्तर: C

व्याख्या:

हाल ही में UNESCO ने बोत्सवाना में अंतर-सरकारी समिति के अपने 18वें बैठक के दौरान आधिकारिक तौर पर **गुजरात के प्रतिष्ठित गरबा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर (ICH) की अपनी प्रतिष्ठित प्रतिनिधि सूची में शामिल किया।**

- अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर से तात्पर्य उन प्रथाओं, प्रतिनिधित्वों, अभिव्यक्तियों, ज्ञान, कौशल तथा संबंधित उपकरणों, वस्तुओं, कलाकृतियों एवं सांस्कृतिक स्थलों से है जिन्हें समुदाय, समूह व व्यक्ति अपनी सांस्कृतिक धरोहर के हिस्से के रूप में पहचानते हैं।
  - ताज महल एक **मूर्त सांस्कृतिक धरोहर** है क्योंकि यह एक इमारत, ऐतिहासिक स्थल, स्मारक व कलाकृति है। **अत: विकल्प C सही है।**

भारत की मौजूदा यूनेस्को की ICH सूची:

1.	वैदिक जप की परंपरा, 2008	8.	लद्दाख का बौद्ध जप: हिमालय के लद्दाख क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, भारत में पवित्र बौद्ध ग्रंथों का पाठ, 2012
2.	रामलीला, रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन, 2008	9.	मणिपुर का संकीर्तन, अनुष्ठान, गायन, ढोलक बजाना और नृत्य करना, 2013
3.	कुटियाट्टम, संस्कृत थिएटर, 2008	10.	जंडियाला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों के बीच पारंपरिक तौर पर पीतल और तांबे के बर्तन बनाने का शिल्प, 2014
4.	रम्माण, गढ़वाल हिमालय (भारत) के धार्मिक उत्सव और परंपरा का मंचन, 2009	11.	योग, 2016
5.	मुदियेट्टू, अनुष्ठान थियेटर और केरल का नृत्य नाटक, 2010	12.	नवरोज़, 2016
6.	कालबेलिया राजस्थान का लोकगीत और नृत्य, 2010	13.	कुंभ मेला, 2017
7.	छऊ नृत्य, 2010	14.	दुर्गा पूजा, 2021

15. गुजरात का गरबा नृत्य

28. कोलकली के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?

A. कोलकली केरल का एक मार्शल आर्ट है जिसमें छोटी-छोटी छड़ियों को घुमाते हुए विशेष कदमों के साथ लय बनाए रखना शामिल है।

B. कोलकली केरल के दक्षिण मालाबार क्षेत्र में प्रदर्शित की जाने वाली एक लोककला है जिसमें निलाविलक्कू के चारों ओर गाना तथा नृत्य करना शामिल है।

C. कोलकली में प्रत्येक कलाकार छोटी-छोटी छड़ियों को घुमाते हुए विशेष कदमों के साथ लय बनाए रखते हुए एक घेरे में चलते हैं।

D. इनमें से कोई भी नहीं।

उत्तर: C

व्याख्या:

कोलकली, **केरल के मालाबार क्षेत्र** की एक लोककला, **सेंट थॉमस (यीशु मसीह** के शिष्यों में से एक) के भारत आगमन की स्मृति में प्रदर्शित की जा रही है, जो **52 ईस्वी** में केरल तट पर **मुज़िरिस (क्रैंगानोर)** में उतरे थे।

- लगभग 200 वर्षों के इतिहास के साथ कोलकली कला के बारे में कहा जाता है कि इसमें **कलारीपयट्टू** के तत्त्व शामिल हैं, जो **केरल और तमिलनाडु** में प्रचलित एक मार्शल आर्ट है।
- इसमें प्रत्येक **कलाकार छोटी-छोटी छड़ियों को घुमाते हुए विशेष कदमों के साथ लय बनाए रखते** हुए एक घेरे में चलते हैं। **अत: विकल्प C सही है।**
- जैसे-जैसे संगीत का तारत्व/पिच बढ़ता है, **प्रदर्शन के चरमोत्कर्ष तक पहुँचने तक गति बढ़ती जाती है।** जैसे-जैसे नृत्य आगे बढ़ता है, घेरा फैलता और कम होता जाता है।

29. निम्नलिखित में से कौन हाल ही में यूनेस्को द्वारा 'साहित्य की नगरी' का प्रतिष्ठित खिताब प्राप्त करने वाला भारत का पहला शहर बन गया है?

A. वाराणसी

B. कोझिकोड

C. हैदराबाद

D. चेन्नई

उत्तर: B

व्याख्या:

- हाल ही में यूनेस्को ने अपने क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क (UCCN) में 55 नए शहरों को जोड़ने की घोषणा की। नए प्रवेशकों में दो भारतीय शहरों- केरल के कोझिकोड ने 'साहित्य की नगरी' के रूप में और मध्य प्रदेश के ग्वालियर ने 'संगीत की नगरी' के रूप में अपनी पहचान बनाई।।
- कोझिकोड यूनेस्को द्वारा 'साहित्य की नगरी' का प्रतिष्ठित खिताब प्राप्त करने वाला भारत का पहला शहर है।
  - इस शहर में विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों की मेज़बानी का एक लंबा इतिहास रहा है, जैसे कि केरल साहित्य महोत्सव, जो एशिया के सबसे बड़े साहित्यिक समारोहों में से एक है।
- अत: विकल्प B सही है।

30. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विश्व शहर दिवस प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को मनाया जाता है और इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा नामित किया गया था।
2. यह दिवस वैश्विक शहरीकरण में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की रुचि को बढ़ावा देने के अवसर के रूप में कार्य करता है।
3. UN-हैबिटेट कार्यक्रम सतत् विकास लक्ष्य 11 के अनुरूप संधारणीय शहरों के विकास को बढ़ावा देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक

B. सिर्फ दो

C. सभी तीन

D. इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

विश्व शहर दिवस/वर्ल्ड सिटीज़ डे, 2023:

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा नामित विश्व शहर दिवस **प्रतिवर्ष 31 अक्तूबर को मनाया जाता है** और इसे **पहली बार वर्ष 2014 में मनाया गया** था। **अत: कथन 1 सही है।**

- यह दिवस **वैश्विक शहरीकरण में अंतर्राष्ट्रीय समुदायों की रुचि को बढ़ावा देने,** शहरीकरण की चुनौतियों से निपटने, देशों के बीच सहयोग को बढ़ाने और विश्वभर में सतत् शहरी विकास में योगदान करने के अवसर के रूप में कार्य करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- **वर्ष 2023 की थीम:** "सभी के लिये सतत् शहरी भविष्य का वित्तपोषण" है।
- UN-हैबिटेट कार्यक्रम सतत् विकास लक्ष्य 11 के अनुरूप संधारणीय शहरों के विकास को बढ़ावा देता है। **अत: कथन 3 सही है।**
  - संयुक्त राष्ट्र मानव बस्ती कार्यक्रम (UN-हैबिटेट) मानव बस्तियों और सतत् शहरी विकास के लिये संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी है।

31. जगन्नाथ मंदिर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह कलिंग वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें विशिष्ट घुमावदार मीनारें, जटिल नक्काशी और अलंकृत मूर्तियाँ हैं।

2. इसे 'यमनिका तीर्थ' भी कहा जाता है, जहाँ हिंदू मान्यताओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण पुरी में मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति समाप्त हो गई थी।
3. स्नान यात्रा जगन्नाथ मंदिर के देवताओं से जुड़ा एक प्रमुख त्योहार है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(A) केवल एक
(B) केवल दो
(C) सभी तीन
(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

जगन्नाथ मंदिर:

- **जगन्नाथ मंदिर पुरी, ओडिशा** में स्थित एक भव्य मंदिर है जो भगवान जगन्नाथ के साथ उनके ज्येष्ठ भ्राता **भगवान बलभद्र** एवं अनुजा **देवी सुभद्रा** को समर्पित है।
  - इसका निर्माण **12वीं शताब्दी** में गंग राजवंश के प्रसिद्ध राजा **अनंत वर्मन चोडगंग देव** द्वारा किया गया था।
  - इसे **"व्हाइट पैगोडा"** के रूप में जाना जाता है, यह **चार धाम तीर्थयात्रा के चार तीर्थ स्थलों** में से एक है।
- यह **कलिंग वास्तुकला** का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें विशिष्ट घुमावदार मीनारें, जटिल नक्काशी और अलंकृत मूर्तियाँ हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
  - यह एक **ऊँची दीवार से घिरा हुआ है जिसमें चार द्वार हैं,** जिनमें से प्रत्येक द्वार का मुख मुख्य दिशा की ओर है।
- इसे **'यमनिका तीर्थ'** भी कहा जाता है, जहाँ हिंदू मान्यताओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण पुरी में **मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति** समाप्त हो गई थी। **अत: कथन 2 सही है।**
- **संबद्ध प्रमुख त्योहार:** स्नान यात्रा, नेत्रोत्सव, **रथ यात्रा**, देवशयनी एकादशी। **अत: कथन 3 सही है।**

32. भारत में लघु चित्रकला के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ऐसा माना जाता है कि प्रतिहार भारत में लघु चित्रकला के क्षेत्र में अग्रणी थे।
2. चित्रकलाएँ अक्सर किताबों अथवा एल्बमों के लिये कागज, ताड़ के पत्तों और कपड़े सहित खराब होने वाली सामग्री पर चित्रित की जाती थी।
3. पाल लघु चित्रकला शाखा की विषयवस्तु अक्सर बौद्ध तांत्रिक अनुष्ठानों से संबंधित थी।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नही

उत्तर:B

व्याख्या:

लघु चित्रकला:

- **लघु चित्र रंगीन हस्तनिर्मित चित्र** होते हैं जो आकार में बहुत छोटे होते हैं। इन चित्रों की उत्कृष्ट विशेषताओं में से एक जटिल ब्रशवर्क है जो उनकी विशिष्ट पहचान में योगदान देता है।
- चित्रों में प्रयुक्त रंग विभिन्न प्राकृतिक स्रोतों जैसे **सब्जियों, नील, कीमती पत्थरों, सोने और चाँदी से प्राप्त** होते हैं।
- इन्हें अक्सर **किताबों अथवा एल्बमों के लिये कागज, ताड़ के पत्तों और कपड़े सहित खराब होने वाली सामग्री पर चित्रित किया जाता था। अत: कथन 2 सही है।**
  - बंगाल के **पालों को भारत में लघु चित्रकला में अग्रणी** माना जाता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है। नहीं है।**
  - लघु चित्रों की परंपरा को किशनगढ़, बूंदी जयपुर, मेवाड़ एवं मारवाड़ सहित विभिन्न राजस्थानी चित्रकला शाखा के कलाकारों ने आगे बढ़ाया।
  - **पाल शाखा:** प्रारंभिक भारतीय लघुचित्र 8वीं शताब्दी ई.पू. की पाल शाखा से संबंधित हैं।
    - चित्रकला की इस शाखा में रंगों के प्रतीकात्मक उपयोग पर बल दिया जाता था साथ ही **विषय-वस्तु प्राय: बौद्ध तांत्रिक अनुष्ठानों से ली जाती थी। अत: कथन 3 सही है।**

33. बथुकम्मा महोत्सव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. बथुकम्मा महोत्सव कर्नाटक में नौ दिवसीय एक वार्षिक उत्सव है जो नौ दिनों तक चलता है।
2. यह त्योहार मानसून (दक्षिणी भारत में) की शुरुआत के साथ मनाया जाता है और इस दौरान तालाबों में पर्याप्त जल भरने के साथ ही चमकीले रंग-बिरंगे फूल भी उग आते हैं।
3. यह उत्सव 'सद्दुला बथुकम्मा' से एक सप्ताह पहले शुरू होता है जो दशहरे के दो दिन बाद आता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **बथुकम्मा महोत्सव** तेलंगाना में **नौ दिवसीय** एक वार्षिक उत्सव है जो नौ दिनों तक चलता है। यह त्योंहार इस **क्षेत्र के रंगबिरंगे फूलों के साथ मनाया जाता है एवं तेलंगाना के लोगों की सामूहिक भावना** का प्रतीक है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- यह **पारंपरिक रूप से राज्य की महिलाओं द्वारा मनमोहक स्थानीय फूलों के साथ मनाया जाने वाला एक रंगीन पुष्प उत्सव** है।
- यह त्योंहार **मानसून (दक्षिणी भारत में) की शुरुआत के साथ** मनाया जाता है और इस दौरान **तालाबों में पर्याप्त जल भरने के साथ ही चमकीले रंग-बिरंगे फूल** भी उग आते हैं। **अत: कथन 2 सही है।**
- इस त्योंहार के दौरान **प्रमुख रूप से 'गुनुका,' 'तांगेदु,' 'बंती,' और 'नंदी-वर्द्धनम'** जैसे स्थानीय फूलों का उपयोग किया जाता है।
- यह त्योंहार **'सद्दुला बथुकम्मा'** (बथुकम्मा उत्सव का भव्य समापन) से **एक सप्ताह पूर्व शुरू होता है** तथा **दशहरे से दो दिन पूर्व तक मनाया जाता है।** यह **प्रत्येक वर्ष हिंदू कैलेंडर के तेलुगू संस्करण के अनुसार भाद्रपद अमावस्या को शुरू होता है और नवरात्रि के नौ दिनों** तक चलता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

34. कोणार्क सूर्य मंदिर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका निर्माण 13वीं शताब्दी में पूर्वी गंगा राजवंश के राजा नरसिम्हादेव प्रथम ने करवाया था।
2. यह कलिंग मंदिर वास्तुकला की पराकाष्ठा है और हिंदू सूर्य देवता को समर्पित है।
3. यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और इसे 10 रुपए के भारतीय नोट के पीछे दर्शाया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई नही

उत्तर: C

व्याख्या:

- कोणार्क सूर्य मंदिर भारत के ओडिशा राज्य के पुरी ज़िले में समुद्र तट पर स्थित **कोणार्क में 13वीं सदी का सूर्य मंदिर है।** इस मंदिर के निर्माण का श्रेय लगभग **1250 ई.पू. पूर्वी गंग राजवंश के राजा नरसिम्हादेव प्रथम को दिया जाता है। अत: कथन 1 सही है।**
- सूर्य मंदिर **कलिंग मंदिर वास्तुकला की पराकाष्ठा है। हिंदू भगवान सूर्य को** समर्पित यह मंदिर **100 फुट ऊँचे रथ की** तरह दिखता है, **जिसमें विशाल चक्र और घोड़े हैं, जो सभी पत्थर से बनाए गए हैं। अत: कथन 2 सही है।**
- यह मंदिर **यूनेस्को (UNESCO) के विश्व धरोहर स्थल** के साथ ही हिंदुओं के लिये एक प्रमुख तीर्थ स्थल भी है तथा इसे भारतीय 10 रुपए के नोट के पीछे की तरफ दर्शाया गया है। सूर्य मंदिर **कलिंग मंदिर वास्तुकला की पराकाष्ठा है। अत: कथन 3 सही है।**

35. नटराज मूर्तिकला के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. नर्तक के रूप में शिव, जिन्हें नटराज के नाम से जाना जाता है, की अवधारणा का प्रारंभ 5वीं शताब्दी ईस्वी के आसपास हुआ।
2. भारत मंडपम में नटराज की मूर्ति रेत ढलाई विधि का उपयोग करके बनाई गई है।
3. भारत मंडपम में प्रदर्शित इस नटराज प्रतिमा के डिज़ाइन निर्माण की प्रेरणा थिल्लई नटराज मंदिर, उमा महेश्वर मंदिर, बृहदेश्वर (बड़ा) मंदिर से ली गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही नहीं हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. तीनों
D. कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **नर्तक के रूप में शिव,** जिन्हें **नटराज** के नाम से जाना जाता है, की अवधारणा का प्रारंभ **5वीं शताब्दी ईस्वी** के आसपास हुआ। **अत: कथन 1 सही है।**
- **भारत मंडपम** में **नटराज** की मूर्ति **लुप्त मोम विधि** का उपयोग करके बनाई गई है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- इस नटराज प्रतिमा का डिज़ाइन **तीन प्रतिष्ठित नटराज** मूर्तियों से प्रेरित है: **चिदंबरम में थिल्लई नटराज मंदिर, कोनेरीराजपुरम में उमा महेश्वर मंदिर,** और **तंजावुर में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, बृहदेश्वर (बड़ा) मंदिर। अत: कथन 3 सही है।**

36. 'एडॉप्ट ए हेरिटेज' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, ASI और राज्य/केंद्रशासित प्रदेश सरकारों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है।
2. इसका उद्देश्य हमारी धरोहर और पर्यटन को अधिक सतत् बनाने की ज़िम्मेदारी लेने के लिये केवल निजी कंपनियों को शामिल करना है।

3. इस योजना के तहत, सर्वोत्तम विरासत स्थल योजना वाली कंपनियाँ 'स्मारक मित्र' बन सकती हैं और अपनी CSR गतिविधियों से गौरव को जोड़ सकती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

'एडॉप्ट ए हेरिटेज' योजना:

- **परिचय:**
  - यह पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, ASI और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - इसे **27 सितंबर 2017** (विश्व पर्यटन दिवस) पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा लॉन्च किया गया था।
- **उद्देश्य:**
  - परियोजना का लक्ष्य 'ज़िम्मेदार पर्यटन' को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिये सभी भागीदारों के बीच तालमेल विकसित करना है।
  - इसका उद्देश्य **हमारी धरोहर और पर्यटन को अधिक सतत् बनाने की ज़िम्मेदारी लेने** के लिये सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों, निजी क्षेत्र की कंपनियों एवं कॉर्पोरेट से जुड़े नागरिकों/व्यक्तियों को शामिल करना है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - यह **ASI द्वारा राज्य धरोहरों और देश के महत्त्वपूर्ण पर्यटक स्थलों पर विश्व स्तरीय पर्यटक बुनियादी ढाँचे** तथा सुविधाओं के विकास, संचालन एवं रखरखाव के माध्यम से किया जाना है।
- **स्मारक मित्र:**
  - एजेंसियाँ/कंपनियाँ '**विज़न बिल्डिंग**' की अभिनव अवधारणा के माध्यम से '**स्मारक मित्र**' बन जाएँगी, जहाँ धरोहर स्थल के लिये सर्वोत्तम दृष्टिकोण वाली एजेंसी को अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व **(Corporate Social Responsibility- CSR) वाली** गतिविधियों के साथ गौरव जोड़ने का अवसर दिया जाएगा। **अत: कथन 3 सही है।**

37. दो कानूनी और पारंपरिक हिंदू कानून प्रणालियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. **दायभाग कानून:** इसका अनुसरण भारत के सभी भागों में किया जाता है तथा बनारस, मिथिला, महाराष्ट्र और द्रविड़ स्कूलों में विभाजित है।
2. **मिताक्षरा कानून:** इसका अनुसरण बंगाल और असम में किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. 1 और 2 दोनों
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर : D

व्याख्या:

उत्तराधिकार पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

- मिताक्षरा कानून एक **कानूनी और पारंपरिक हिंदू कानून प्रणाली** है जो मुख्य रूप से **हिंदू अविभाजित परिवार (HUF)** के सदस्यों के मध्य विरासत एवं संपत्ति के अधिकारों के नियमों को नियंत्रित करती है।
  - यह हिंदू कानून के दो प्रमुख स्कूलों में से एक है, दूसरा **दायभाग स्कूल है।**
- उत्तराधिकार का मिताक्षरा कानून **पश्चिम बंगाल और असम को छोड़कर** पूरे देश में लागू होता है।
- अत: 1 और 2 दोनों कथन सही नहीं हैं।

हिंदू विधियों के प्रकार

मिताक्षरा कानून	दायभाग कानून
मिताक्षरा शब्द याज्ञवल्क्य स्मृति पर विज्ञानेश्वर द्वारा लिखी गई एक टिप्पणी के नाम से लिया गया है।	एक पत्नी बँटवारे की मांग नहीं कर सकती है लेकिन उसे अपने पति और बेटों के बीच किसी भी बँटवारे में हिस्सेदारी का अधिकार है।
इसका अनुसरण भारत के सभी भागों में किया जाता है तथा बनारस, मिथिला, महाराष्ट्र और द्रविड़ स्कूलों में विभाजित है ।	इसका अनुसरण बंगाल और असम में किया जाता है।
एक सहदायिक का हिस्सा परिभाषित नहीं है और इसका निपटान नहीं किया जा सकता है।	एक पुत्र के पास जन्म से स्वत: स्वामित्व का कोई अधिकार नहीं होता है, लेकिन वह इसे अपने पिता की मृत्यु पर प्राप्त करता है।
सभी सदस्य पिता के जीवनकाल के दौरान सहदायिकी अधिकार प्राप्त करते हैं ।	पिता के जीवित रहने पर पुत्रों को सहदायिकी अधिकार प्राप्त नहीं होते हैं।

एक सहदायिक का हिस्सा परिभाषित नहीं है और इसका निपटान नहीं किया जा सकता है।	प्रत्येक सहदायिक का हिस्सा परिभाषित किया गया है और उसका निपटान किया जा सकता है।
एक पत्नी बँटवारे की मांग नहीं कर सकती है लेकिन उसे अपने पति और बेटों के बीच किसी भी बँटवारे में हिस्सेदारी का अधिकार है।	यहाँ महिलाओं के लिये समान अधिकार मौजूद नहीं है क्योंकि बेटे विभाजन की मांग नहीं कर सकते क्योंकि पिता पूर्ण मालिक है।

38. होयसल राजवंश के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये कल्याण के चालुक्यों के सामंत थे, जिन्हें पश्चिमी चालुक्य साम्राज्य भी कहा जाता है।
2. होयसल वास्तुकला भूमिजा, नागर और वास्तुकला की द्रविड़ शैलियों का मिश्रण है।
3. मंडप, विमान और मूर्ति होयसल वास्तुकला के तीन प्रमुख तत्त्व हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

होयसल राजवंश:

- **उत्पत्ति और उत्थान:**
  - होयसलों ने तीन शताब्दियों से अधिक समय तक **कर्नाटक और तमिलनाडु** तक विस्तृत क्षेत्रों पर शासन किया, **जिसमें साल राजवंश के संस्थापक के रूप में कार्यरत** थे।
  - पहले राजा दोरासमुद्र (वर्तमान हेलेबिड) के **उत्तर-पश्चिम की पहाड़ियों से आए थे, जो लगभग 1060 ई. में उनकी राजधानी बनी**।
- **राजनीतिक इतिहास:**
  - होयसल **कल्याण के चालुक्यों** के सामंत थे, जिन्हें **पश्चिमी चालुक्य साम्राज्य** भी कहा जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - **होयसल राजवंश** के सबसे **उल्लेखनीय शासक विष्णुवर्धन, वीर बल्लाल द्वितीय और वीर बल्लाल तृतीय** थे।
    - विष्णुवर्धन (जिन्हें बिट्टीदेव के नाम से भी जाना जाता है) होयसल राजवंश के सबसे महान राजा थे।
- **वास्तुकला:** होयसल मंदिर **12वीं और 13वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान बनाए गए थे,** जो होयसल साम्राज्य की अद्वितीय वास्तुकला और कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करते हैं।
  - **होयसल वास्तुकला मध्य भारत में प्रचलित भूमिजा शैली, उत्तरी एवं पश्चिमी भारत की नागर परंपराओं और कल्याणी चालुक्यों** द्वारा समर्थित **कर्नाटक द्रविड़ शैलियों** के विशिष्ट मिश्रण के लिये जानी जाती है।
- **महत्त्वपूर्ण तत्त्व:**
  - मंडप (Mantapa)
  - विमान
  - मूर्ति
- **अत: कथन 3 सही है**

39. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उपनिषद एवं पुराण शास्त्रीय संस्कृत साहित्य के उदाहरण हैं।
2. विश्व संस्कृत दिवस प्रतिवर्ष 31 अगस्त को मनाया जाता है।
3. दिल्ली में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान संस्कृत को बढ़ावा देने के लिये नोडल प्राधिकरण है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- यह एक इंडो-आर्यन भाषा है और इसे सबसे पुरानी भाषाओं में से एक माना जाता है।
  - संस्कृत भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है।
  - यह तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और उड़िया के अलावा 6 शास्त्रीय भाषाओं में भी शामिल है।
- इसे **वैदिक और शास्त्रीय** दो भागों में विभाजित किया गया है।
  - **वैदिक संस्कृत, संस्कृत का पुराना और अधिक पुरातन रूप है, जो ऋग्वेद, उपनिषद और पुराणों में प्रमाणित है। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - **शास्त्रीय संस्कृत, संस्कृत का बाद का और अधिक मानकीकृत रूप है,** जो पाणिनि के व्याकरण पर आधारित है तथा इसका साहित्य, दर्शन, विज्ञान और कला में उपयोग किया जाता है।

- **विश्व संस्कृत दिवस प्रत्येक वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि (Full Moon) को मनाया जाता है। अत: कथन 2 सही है।**
  - यह एक प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वान और व्याकरणविद् पाणिनि की जयंती को श्रद्धांजलि के रूप में मनाया जाता है।
  - पहला विश्व संस्कृत दिवस वर्ष 1969 में मनाया गया था।
  - **वर्ष 2023 में विश्व संस्कृत दिवस 31 अगस्त को मनाया गया।**
- **केंद्र सरकार द्वारा संस्कृत को बढ़ावा देना:**
  - नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 ने इस भाषा को "मुख्यधारा में लाने" के लिये एक महत्त्वा
  - कांक्षी मार्ग तैयार किया। संस्कृत को स्कूलों के साथ त्रि-भाषा फॉर्मूले में एक भाषा विकल्प के साथ-साथ उच्च शिक्षा में भी शामिल करने पर बल दिया गया है।
  - सरकार ने संस्कृत को बढ़ावा देने के लिये एक नोडल प्राधिकरण के रूप में दिल्ली में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की स्थापना की है। **अत: कथन 3 सही है।**

40. नटराज प्रतिमा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह चेरस मूर्तिकला का एक महत्त्वपूर्ण नमूना है।
2. इसके ऊपरी दाहिने हाथ में डमरू है, जो सृजन की ध्वनि का प्रतीक है।
3. ऊपरी बाएँ हाथ में अनन्त अग्नि है, जो विनाश का प्रतिनिधित्व करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- **नटराज (नृत्य के भगवान), हिंदू भगवान शिव** को उनके **ब्रह्मांडीय नर्तक** के रूप में **कई शैव मंदिरों** में विशेष रूप से **दक्षिण भारत में, धातु या पत्थर में दर्शाया गया है।**
- **नटराज की मूर्ति चोल मूर्तिकला** का एक महत्त्वपूर्ण नमूना है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **निचला दाहिना हाथ अभय मुद्रा** की मुद्रा में उठा हुआ है जो आशीर्वाद का प्रतीक है और भक्त को भय मुक्त होने के लिये आश्वस्त करता है।
- ऊपरी दाहिने हाथ में डमरू है, जो सृजन की ध्वनि का प्रतीक है। अत: कथन 2 सही है।
- **निचला बायाँ हाथ ऊपर** उठे हुए **पैर की ओर इंगित करता है और मोक्ष** का मार्ग बताता है।
- **ऊपरी बाएँ हाथ में अनन्त अग्नि है, जो विनाश** का प्रतिनिधित्व करती है। **अत: कथन 3 सही है।**

41. 'लाल किला' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मुगल सम्राट जहाँगीर ने लाल किला की नींव रखी थी।
2. इस प्रतिष्ठित संरचना को वर्ष 2007 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।
3. लाल किला इस्लामी, हिंदी, तैमूरी और फारसी प्रभावों सहित विविध स्थापत्य शैलियों का मिश्रण प्रदर्शित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नही

उत्तर: B

व्याख्या:

- स्थानांतरण (**अकबर** ने अपनी राजधानी आगरा स्थानांतरित कर दी) के बावजूद, शाहजहाँ के शासनकाल में मुगलों ने **वर्ष 1648 में शाहजहानाबाद के साथ दिल्ली को अपनी राजधानी के रूप में पुनर्स्थापित** किया, जिसे आज पुरानी दिल्ली के नाम से जाना जाता है।
- **शाहजहाँ ने लाल-किले की नींव रखी थी। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- इस प्रतिष्ठित संरचना को **वर्ष 2007 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सूचीबद्ध** किया गया था। **अत: कथन 2 सही है।**
- लाल किला **इस्लामी, हिंदी, तैमूरी और फारसी प्रभावों सहित विविध स्थापत्य शैलियों का मिश्रण** प्रदर्शित करता है। **अत: कथन 3 सही है।**

42. अंडूरी उत्सव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अंडूरी उत्सव, जिसे बटर फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है, उत्तर प्रदेश के मथुरा में मनाया जाता है।
2. इसे बटर होली के नाम से भी जाना जाता है।
3. दयारा बुग्याल में बटर फेस्टिवल भगवान कृष्ण के प्रति आभार व्यक्त करने का एक तरीका है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. तीनों
D. कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले के दयारा बुग्याल में मनाया जाने वाला **अंडूरी उत्सव,** जिसे **बटर फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है,** हाल ही में संपन्न हुआ। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- **समुद्र तल से 11,000 फीट की ऊँचाई पर स्थित** दयारा बुग्याल राज्य के प्राचीन घास के मैदानों में से एक है।
- इसे **बटर होली** के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि लोग खेल-खेल में एक-दूसरे को **मक्खन, दूध और छाछ लगाते हैं। अत: कथन 2 सही है।**
- यह फेस्टिवल **भगवान कृष्ण** के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक तरीका है, जिनके बारे में माना जाता है कि **उन्होंने बुग्याल में चरते समय मवेशियों को बुरी शक्तियों से बचाया था। अत: कथन 3 सही है।**

43. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	सूची I		सूची II
1.	नमदा कला	:	जम्मू और कश्मीर
2.	डोकरा	:	पश्चिम बंगाल
3.	चंदेरी फेब्रिक	:	हिमाचल प्रदेश

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

A. केवल एक युग्म
B. केवल दो युग्म
C. सभी तीन युग्म
D. कोई भी युग्म नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- **स्किल इंडिया परियोजना** ने **विश्व युवा कौशल दिवस** (15 **जुलाई**) के अवसर पर ब्रिटेन में निर्यात के लिये नमदा कला उत्पादों की पहली खेप जारी कर **जम्मू-कश्मीर की लुप्त होती नमदा कला** को सफलतापूर्वक **पुनर्जीवित करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल** की है। **अत: युग्म 1 सही है।**
- वर्ष 2018 में पश्चिम बंगाल के डोकरा शिल्प को **भौगोलिक संकेतक (GI) टैग** के साथ प्रस्तुत किया गया था। **अत: युग्म 2 सही है।**
- **चंदेरी फैब्रिक** पारंपरिक सूती धागे में **रेशम और सुनहरी ज़री** की बुनाई करके बनाया जाता है जिसके परिणामस्वरूप चमकदार बनावट बनती है। इस फैब्रिक का नाम **मध्य प्रदेश के छोटे से शहर चंदेरी** से लिया गया है जहाँ पारंपरिक बुनकर बारीक ज़री से सजी सूती और रेशम वाली साड़ियाँ बनाने की कला का अभ्यास करते हैं। **अत: युग्म 3 सही नहीं है।**

44. लम्बानी कला के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. लम्बानी कला, लम्बानी या बंजारा समुदाय विशेष रूप से कर्नाटक द्वारा प्रचलित वस्त्र अलंकरण का एक रूप है।
2. इसे एक स्थायी अभ्यास के रूप में मान्यता प्राप्त है।
3. संदुर लम्बानी कढ़ाई को वर्ष 2010 में भौगोलिक संकेत टैग प्राप्त हुआ।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- लम्बानी कला, लम्बानी या **बंजारा समुदाय द्वारा प्रचलित कपड़ा अलंकरण का एक रूप** है, जो भारत के **कई राज्यों विशेषकर कर्नाटक** में रहने वाला एक खानाबदोश समूह है। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसे एक टिकाऊ अभ्यास के रूप में मान्यता प्राप्त है जो **रीसाइक्लिंग के साथ पुन: उपयोग के सिद्धांत** पर काम करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - लम्बानी कढ़ाई तकनीक तथा सौंदर्यशास्त्र **पूर्वी यूरोप, पश्चिम एशिया और मध्य एशिया में कपड़ा निर्माण की परंपराओं के साथ समानता** रखते हैं, जो वैश्विक कपड़ा कला के अंतर्संबंध को प्रदर्शित करते हैं।
  - संदुर लम्बानी कढ़ाई, कर्नाटक के संदुर क्षेत्र की एक विशिष्ट प्रकार की **लम्बानी कला को वर्ष 2010** में **भौगोलिक संकेतक टैग** प्रदान किया गया था। **अत: कथन 3 सही है।**

45. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	प्रतीक	बुद्ध के जीवन से जुड़ी घटनाएँ
1.	कमल	महापरिनिर्वाण (मृत्यु)
2.	अश्व	महाभिनिष्क्रमण (महान प्रस्थान)
3.	पहिया	निर्वाण (आत्मज्ञान)

उपर्युक्त कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- बुद्ध के जीवन की 5 महान घटनाएँ हैं- **जन्म**, **महाभिनिष्क्रमण** (घर और सांसारिक सुख का त्याग), **निर्वाण, धम्मचक्रपरिवर्तन** और **महापरिनिर्वाण**।

- **केवल दूसरा युग्म सही सुमेलित है, अत: विकल्प A सही है।**

46. राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. NMHC परिसर एशिया का सबसे बड़ा जलीय समुद्री संग्रहालय और भारत का सबसे भव्य नौसेना संग्रहालय होगा।
2. NMHC का निर्माण प्राचीन से आधुनिक काल तक भारत की समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने के लिये लोथल के ऐतिहासिक सिंधु घाटी सभ्यता क्षेत्र में किया जा रहा है।
3. NMHC का प्रबंधन भारतीय नौसेना और भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) के तहत एक विशेष प्रयोजन वाहन द्वारा किया जाएगा।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर

हाल ही में केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री ने गुजरात के गांधीनगर में **राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर**, लोथल की समीक्षा की।

- NMHC परिसर में विश्व का सबसे ऊँचा लाइटहाउस संग्रहालय, **एशिया का सबसे बड़ा जलीय समुद्री संग्रहालय** और भारत का सबसे भव्य नौसेना संग्रहालय होगा। **अत: कथन 1 सही है।**
  - गुजरात में **लोथल** के ऐतिहासिक **सिंधु घाटी सभ्यता** क्षेत्र में NMHC का निर्माण पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत किया जा रहा है। **अत: कथन 2 सही है कथन 3 सही नहीं है।**
  - इसका प्राथमिक उद्देश्य प्राचीन से लेकर आधुनिक काल तक की **भारत की समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना**, शिक्षा और मनोरंजन के सहयोगात्मक दृष्टिकोण का उपयोग एवं नवीनतम तकनीक को शामिल करना है।
- **महत्त्व:**
  - NMHC विश्व का सबसे बड़ा **समुद्री संग्रहालय परिसर और एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल** बनेगा।
  - यह आगंतुकों/पर्यटकों को भारत के समृद्ध समुद्री इतिहास के बारे में शिक्षित करने और वैश्विक समुद्री क्षेत्र में भारत की छवि को नया आयाम प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
  - यह **सागरमाला परियोजना** का एक हिस्सा है और इसे सार्वजनिक तथा निजी संस्थानों, संगठनों एवं **कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व** (CSR) पहल की भागीदारी के साथ विकसित किया जा रहा है। **भारत के प्रमुख बंदरगाहों** ने इस परियोजना का समर्थन करने के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की है।
- **NMHC की विशेषताएँ:**
  - इसमें **लोथल मिनी-रिक्रिएशन जैसी कई विशेषताएँ होंगी; जिसमें चार थीम पार्क हैं**- मेमोरियल थीम पार्क, मैरीटाइम एंड नेवी थीम पार्क, क्लाइमेट थीम पार्क और एडवेंचर एंड एम्यूज़मेंट थीम पार्क।
- **लोथल:**
  - यह सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के सबसे दक्षिणी स्थलों में से एक था, जो अब गुजरात राज्य के भाल क्षेत्र में स्थित है। माना जाता है कि इसका निर्माण लगभग 2,200 ईसा पूर्व हुआ था।

- यह 2,200 ईसा पूर्व के आसपास एक व्यापार केंद्र के रूप में विकसित हुआ, जिसके व्यापारिक संबंध पश्चिम एशिया और अफ्रीका तक थे।
- यह **मोतियों, रत्नों और गहनों के व्यापार** के लिये जाना जाता है।
- गुजराती में लोथल (लोथ और थाल का एक संयोजन) का अर्थ है "मृतकों का टीला।
- लोथल का उत्खनन स्थल सिंधु घाटी सभ्यता का एकमात्र बंदरगाह शहर है।

- **UNESCO विश्व धरोहर स्थल के लिये नामांकन:**
  - लोथल को अप्रैल 2014 में यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था।
  - इसका आवेदन यूनेस्को की अस्थायी सूची में लंबित है।

47. टैम पा लिंग गुफा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह उत्तरी लाओस में एनामाइट पर्वत श्रृंखला की ऊँचाई पर स्थित एक ढलान वाली गुफा है।
2. गुफा में एक दांत पाया गया था, जो इसे विलुप्त मानव रिश्तेदार डेनिसोवन की उपस्थिति से जोड़ता है।
3. टैम पा लिंग के साक्ष्य ने दक्षिण पूर्व एशिया में होमो सेपियंस के आगमन के समय को पीछे कर दिया है।

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- यह **उत्तरी लाओस** में **एनामाइट पर्वत श्रृंखला** की **ऊंचाई पर स्थित एक ढलान वाली गुफा** है **अत: कथन 1 सही है।**
- **डेनिसोवन कनेक्शन:** उल्लेखनीय रूप से गुफा में **150,000 वर्ष पुराना एक दाँत** पाया गया था, जो इसे विलुप्त मानव रिश्तेदार **डेनिसोवन की उपस्थिति** से जोड़ता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- टैम पा लिंग के साक्ष्य ने **दक्षिण पूर्व एशिया में होमो सेपियंस** के **आगमन की समय अवधि** को और पीछे कर दिया है। **अत: कथन 3 सही है।**

48. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मिहिरभोज या भोज प्रथम प्रतिहार वंश का सबसे महान शासक था और उसकी उपलब्धियों का वर्णन उसके प्रयाग प्रशस्ति शिलालेख में किया गया है।
2. वह विष्णु का भक्त था, इसलिये विष्णु के सम्मान में उसने वराह और प्रभास जैसी उपाधियाँ धारण की थीं।
3. उसने पलास से शाही शक्ति का गढ़ समझे जाने वाले कन्नौज पर अधिकार कर लिया और उसे अपनी राजधानी बनाया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

सम्राट मिहिर भोज:

- मिहिरभोज या भोज प्रथम (836 - 885 ई.) **प्रतिहार वंश** का सबसे महान शासक था।
- मिहिरभोज की उपलब्धियों का वर्णन उसके ग्वालियर प्रशस्ति शिलालेख में किया गया है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- मिहिरभोज ने **कन्नौज को अपनी राजधानी** बनाया था। वह विष्णु का भक्त था. इसलिये विष्णु के सम्मान में उसने वराह और प्रभास जैसी उपाधियाँ धारण की थीं। **अत: कथन 2 सही है।**
- मिहिरभोज ने 836 ई. में राष्ट्रकूट राजा गोविंद तृतीय से कन्नौज पर अधिकार कर लिया और उत्तरी भारत पर अपना आधिपत्य स्थापित किया। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

49. केर पूजा निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित त्योहार है?

A. ओडिशा
B. त्रिपुरा
C. छत्तीसगढ़
D. असम

उत्तर: B

व्याख्या:

- **केर पूजा त्रिपुरा राज्य में मनाया जाने वाला एक धार्मिक उत्सव है।** इसमें संरक्षक ईष्ट, जिन्हें केर कहा जाता है, की पूजा की जाती है। यह खर्ची पूजा के कुछ दिनों बाद मनाया जाता है।
- यह उत्सव मुख्य रूप से अगरतला में मनाया जाता है। त्योहार के दिन शहर के प्रवेश द्वार पर ताला लगा दिया जाता है और क्षेत्र में बाहरी क्षेत्रों के लोगों का प्रवेश प्रतिबंधित होता है।
- **अत: विकल्प B सही है।**

50. हड़प्पा स्थल 'लोथल' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. लोथल में विश्व की सबसे पुरानी ज्ञात गोदी(डॉक) थी, जो इस शहर को साबरमती नदी के एक प्राचीन मार्ग से जोड़ती थी।

2. इसे UNESCO द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।
3. प्राचीन शहर लोथल में पकी हुई ईंटें मिली हैं।

उपर्युक्त कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या :

- लोथल में **विश्व की सबसे पुरानी ज्ञात गोदी (डॉक) थी**, जो इस शहर को सिंध में हड़प्पा नगरों और सौराष्ट्र प्रायद्वीप के बीच व्यापार मार्ग पर **साबरमती नदी के एक प्राचीन मार्ग से जोड़ती** थी। **अत: कथन 1 सही है।**
- लोथल को वर्ष 2014 में UNESCO विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित किया गया था और इसका आवेदन UNESCO की **अस्थायी सूची में लंबित** है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- लोथल में **आयताकार बेसिन** पाया गया है जिसे **गोदीखाना (डॉकयार्ड)** कहा जाता था। यह 218 मीटर लंबा और 37 मीटर चौड़ा है तथा चारों तरफ से **पकी ईंटों** से घिरा हुआ है। **अत: कथन 3 सही है।**

51. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

राज्य और केंद्रशासित प्रदेश	मुख्य त्योहार
1. नगालैंड	हॉर्नबिल उत्सव
2. आंध्र प्रदेश	खर्ची पूजा
3. त्रिपुरा	उगादि
4. गुजरात	उत्तरायन

उपरोक्त जोड़े में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं??

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. सभी चार

उत्तर: B

व्याख्या:

राज्य और केंद्रशासित प्रदेश	मुख्य त्योहार
आंध्र प्रदेश	मकर संक्रांति, उगादि, **अत: युग्म 2 सही से सुमेलित नहीं है।**
अरुणाचल प्रदेश	लोसर, सोलंग, मोपिन, मोनपा त्योहार
असम	बिहू
बिहार	छठ पूजा
छत्तीसगढ़	माघी पूर्णिमा, बस्तर दशहरा
गोवा	शिग्मो महोत्सव
गुजरात	नवरात्र, उत्तरायन (अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव), **अत: युग्म 4 सही सुमेलित है।**
हरियाणा	बैसाखी, गुग्गा नौमी
हिमाचल प्रदेश	गोची, कुल्लू दशहरा
जम्मू एवं कश्मीर	बहु मेला
झारखंड	सरहुल, करम/करमा
कर्नाटक	करगा
केरल	ओणम, अडूर गजमेला
मध्य प्रदेश	लोकरंग महोत्सव
महाराष्ट्र	गणेश चतुर्थी
मणिपुर	याओसांग, हेइकरू, हिटोंगबा, चेईराबा
मेघालय	नोंगक्रेम महोत्सव
मिज़ोरम	चापचर कुट
नगालैंड	हॉर्नबिल उत्सव, मोत्सु, मिमकुट हॉर्नबिल उत्सव, मोत्सु, मिमकुट, **अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।**
ओडिशा	रथयात्रा
पंजाब	लोहड़ी, बैशाखी
राजस्थान	गणगौर, तीज
सिक्किम	साकेवा, टेंडोंग ल्हो रम फाट
तमिलनाडु	पोंगल
तेलंगाना	बतुकम्मा
त्रिपुरा	खर्ची पूजा, नीरमहल महोत्सव, **अत: युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**
पश्चिम बंगाल	दुर्गा पूजा
उत्तराखंड	माघ मेला

52. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. केदारनाथ धाम मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है।
2. बद्रीनाथ धाम वैष्णवों के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

चार धाम:

- **यमुनोत्री धाम:**
  - स्थान: ज़िला उत्तरकाशी
  - समर्पित: **देवी यमुना**
  - **गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।**
- **गंगोत्री धाम:**
  - स्थान: ज़िला उत्तरकाशी
  - समर्पित: **देवी गंगा**
  - **गंगा नदी** सभी भारतीय **नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।**
- **केदारनाथ धाम:**
  - स्थान: ज़िला रुद्रप्रयाग
  - समर्पित: **भगवान शिव**
  - **यह मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - भारत में **12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।**
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - स्थान: ज़िला चमोली
  - पवित्र **बद्रीनारायण मंदिर**
  - समर्पित: **भगवान विष्णु**
  - **वैष्णवों के पवित्र तीर्थस्थलों** में से एक। **अत: कथन 2 सही है।**

53. चोल साम्राज्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. साम्राज्य की स्थापना राजराज चोल ने पल्लवों को हराने के बाद की थी।
2. चोल साम्राज्य को प्रांतों में विभाजित किया गया था जिन्हें मंडलम के नाम से जाना जाता था जिन्हें आगे नादुस नामक ज़िलों में विभाजित किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं ?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- **प्रमुख चोल शासक:**
  - **विजयालय:** चोल साम्राज्य की स्थापना **विजयालय** ने की थी। उसने 8वीं शताब्दी में तंजौर साम्राज्य पर अधिकार कर लिया और पल्लवों को हराकर शक्तिशाली चोलों के उदय का नेतृत्व किया। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - **आदित्य प्रथम:** आदित्य प्रथम **विजयालय साम्राज्य का शासक** बनने में सफल हुआ। उसने राजा **अपराजित को हराया और साम्राज्य ने उसके शासनकाल** में भारी शक्ति प्राप्त की। उन्होंने वदुम्बों के साथ **पांड्या राजाओं पर विजय** प्राप्त की एवं इस क्षेत्र में पल्लवों की शक्ति पर नियंत्रण स्थापित किया।
  - **राजेंद्र चोल:** यह **शक्तिशाली राजराजा चोल** का उत्तराधिकारी बना। राजेंद्र प्रथम गंगा तट पर जाने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्हें **लोकप्रिय रूप से गंगा का विक्टर** कहा जाता था। इस काल को **चोलों का स्वर्ण युग** कहा जाता है। उनके शासन के बाद राज्य में व्यापक पतन देखा गया।
- विशाल **राज्य को प्रांतों में विभाजित किया गया था जिन्हें मंडलम के रूप में जाना** जाता था।
  - प्रत्येक मंडलम के लिये अलग-अलग गवर्नर को प्रभारी रखा गया था।
  - इन्हें आगे **नाडु नामक ज़िलों में विभाजित किया** गया था जिसमें तहसील शामिल थे।
  - **अत: कथन 2 सही है।**

54. माया सभ्यता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. माया मैक्सिको और मध्य अमेरिका के मूल निवासी हैं।
2. माया की उत्पत्ति लगभग 250 ई.पू. शुरू हुई, जो लगभग 900 ई.पू. तक चली।
3. आर्द्रभूमियों से घिरा ऊँचा भू-भाग, सभ्यता के एक एक विशिष्ट और रणनीतिक स्थान के प्रतिरूप की जानकारी देता है।

उपर्युक्त में से कितने सही हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. उपरोक्त सभी

उत्तर: D

व्याख्या:

प्राचीन माया नगर की खोज

मैक्सिको में पुरातत्त्वविदों ने युकाटन प्रायद्वीप के घने जंगल में एक महत्त्वपूर्ण खोज की है, जिसमें एक **प्राचीन माया** नगर के अवशेष मिले हैं।

प्रमुख खोज:

- **ऊँचा भू-भाग:** सबसे आश्चर्यजनक खोजों में से आर्द्रभूमि **से घिरा एक ऊँचा भू-भाग** था, जिससे वहाँ बसने के लिये चुने गए एक विशिष्ट और रणनीतिक स्थान के प्रतिरूप का पता चलता है। **अत: कथन 3 सही है।**
- **मृदभांड:** इस स्थल पर पाए गए मिट्टी के बर्तनों के टुकड़ों से पता चलता है कि **ओकोमटुन 600-900 ईस्वी के दौरान** यहाँ बसते थे।
- **केंद्रीय वेदियाँ:** इन्हें **ला रिगुएना** नदी के पास खोजा गया था, संभवत: इनका उपयोग सामुदायिक अनुष्ठानों के लिये किया जाता था।
  - केंद्रीय वेदियों से **सामुदायिक अनुष्ठानों की उपस्थिति** का पता चलता है, यह **माया सभ्यता के दौरान जीवन के आध्यात्मिक और सांप्रदायिक पहलुओं** पर प्रकाश डालती हैं।
- **प्री-हिस्पैनिक बॉल गेम्स:** धार्मिक प्रथा का प्रतिनिधित्व करने वाला यह खेल पूरे माया क्षेत्र में खेला जाता था।
- इस खेल में **सूर्य के प्रतीक के रूप में** रबर की गेंद को बिना हाथों का उपयोग किये पत्थर के घेरे से गुज़ारना शामिल था।
- **शहर का पतन:** संभवत: 800 से 1000 ईस्वी के बीच यहाँ महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए।
  - **आबादी में गिरावट, शहरी केंद्र और राजनीतिक अस्थिरता** इस अवधि की प्रमुख विशेषताएँ है, यही अवधि निम्न क्षेत्रीय माया शहर के पतन का समय मानी जाती है।
  - ओकोमटुन (Ocomtún) और अन्य माया शहरों का पतन एक बड़े क्षेत्रीय पतन का हिस्सा थे जो **माया सभ्यता के इतिहास में एक परिवर्तनकारी अवधि** को दर्शाता है।

माया सभ्यता:

- माया सभ्यता के लोग मैक्सिको और मध्य अमेरिका के मूल निवासी हैं। युकाटन (Yucatán) में उत्पन्न होकर वे 250 ईस्वी के आसपास **वर्तमान में दक्षिणी मैक्सिको, ग्वाटेमाला, उत्तरी बेलीज़ और पश्चिमी होंडुरास** में प्रमुखता से उभरे थे।
- **माया सभ्यता का उदय लगभग 250 ईस्वी** में शुरू हुआ था। पुरातत्त्वविद् **माया संस्कृति को शास्त्रीय काल** के रूप में जानते हैं जो **लगभग 900 ईस्वी तक** चली थी। **अत: कथन 1 और 2 सही हैं।**
- माया सभ्यता सबसे उन्नत और प्रभावशाली संस्कृतियों में से एक थी।
  - उन्होंने **लेखन, खगोल विज्ञान, गणित, कला,** वास्तुकला **और धर्म** की जटिल प्रणालियाँ विकसित की थीं।
  - उन्होंने **पिरामिडों, महलों, मंदिरों और चौक (प्लाज़ा) वाले प्रभावशाली शहर** भी बनाए। हालाँकि उनके इतिहास एवं संस्कृति के अनेक पहलू रहस्यमय और अज्ञात बने हुए हैं।

55. पाषाण युग के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. नवपाषाण युग को पाषाण युग के अंतिम चरण के रूप में जाना जाता है, इस युग में खाद्य उत्पादन की शुरुआत हुई।
2. मेसोलिथिक युग को प्लीस्टोसीन काल से होलोसीन काल तक संक्रमण और जलवायु में अनुकूल परिवर्तनों द्वारा चिह्नित किया गया है।
3. सेडेंटिज़्म (लंबे समय तक एक ही स्थान पर रहना), मिट्टी के बर्तनों का उपयोग और शिल्प का आविष्कार नवपाषाण युग की विशिष्ट विशेषताएँ हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

पाषाण युग:

- **पुरापाषाण युग:**
  - मुख्यत: यह एक शिकारी प्रवृत्ति की और खाद्य संचय करने वाली संस्कृति मानी जाती है।
  - पुरापाषाणकालीन उपकरणों में **धारदार पत्थर, चॉपर, हाथ की कुल्हाड़ी,** खुरचनी, भाला, धनुष और तीर आदि शामिल हैं तथा ये आमतौर पर कठोर क्वार्टजाइट चट्टान से बने होते थे।

- मध्य प्रदेश के भीमबेटका में पाए गए **शैलचित्र और नक्काशी से पता चलता है कि इस काल में शिकार एक मुख्य जीवन निर्वाह गतिविधि** थी।
- भारत में **पुरापाषाण काल को तीन चरणों** में विभाजित किया गया है:
  - **प्रारंभिक पुरापाषाण काल (500,000-100,000 ईसा पूर्व)**
  - **मध्य पुरापाषाण काल (100,000-40,000 ईसा पूर्व)**
  - **उत्तर पुरापाषाण काल (40,000-10,000 ईसा पूर्व)**

- **मेसोलिथिक (मध्य पाषाण) युग (10,000 ईसा पूर्व-8000 ईसा पूर्व):**
  - **प्लेइस्टोसीन काल से होलोसीन काल तक संक्रमण और जलवायु में अनुकूल परिवर्तन** इस युग की प्रमुख विशेषता है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - मध्यपाषाण युग का प्रारंभिक काल **शिकार, मछली पकड़ने और भोजन एकत्र** करने का प्रतीक है।
  - **पशुओं को पालतू बनाने का कार्य इसी युग में प्रारंभ**हुआ।
  - **माइक्रोलिथ्स नामक उपकरण/औज़ार** आकर में छोटे थे परंतु पुरापाषाण युग की तुलना में वे ज्यामितिक रूप से परिष्कृत थे।
- **निओलिथिक (नव पाषाण) युग (8000 ईसा पूर्व-1000 ईसा पूर्व):**
  - इसे **पाषाण युग का अंतिम चरण माना जाता**, इस युग से खाद्य उत्पादन की शुरुआत हुई। **अत: कथन 1 सही है।**
  - लंबे समय तक एक ही स्थान पर रहना, मिट्टी के बर्तनों का उपयोग और शिल्प का आविष्कार नवपाषाण युग की विशेषता है। **अत: कथन 3 सही है।**
  - नवपाषाण काल के लोग पॉलिशदार पत्थर के **औज़ारों एवं हथियारों का प्रयोग करते थे।** इस काल के लोग विशेष रूप से पत्थर से बनी कुल्हाड़ियों का प्रयोग करते थे। नवपाषाण काल में हथौड़ा, छेनी एवं बसुली के प्रमाण भी प्राप्त हुए हैं।
- **मेगालिथिक (महापाषाण) संस्कृति:**
  - **महापाषाण संस्कृति में पत्थर की संरचनाओं के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं,** जिनका निर्माण दफन स्थलों के रूप में या स्मारक स्थलों के रूप में किया गया था।
  - भारत में पुरातत्त्वविदों को लौह युग **(1500 ईसा पूर्व से 500 ईसा पूर्व)** में अधिकांश महापाषाण संस्कृतियों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं, हालाँकि कुछ साक्ष्यों से लौह युग पूर्व (2000 ईसा पूर्व) भी इनकी उपस्थिति के प्रमाण मिलते हैं।
  - महापाषाण संस्कृति संपूर्ण प्राचीन भारतीय उपमहाद्वीप में फैली हुई है। हालाँकि उनमें से अधिकांश स्थल प्रायद्वीपीय भारत में पाए जाते हैं, जो महाराष्ट्र (मुख्य रूप से विदर्भ), कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में केंद्रित हैं।

56. जगन्नाथ पुरी मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस मंदिर को "व्हाइट पैगोडा" के रूप में जाना जाता है और यह चारधाम तीर्थ यात्रा का हिस्सा है।
2. यह कलिंग वास्तुकला का एक शानदार उदाहरण है, जो घुमावदार मीनारों, जटिल नक्काशी और अलंकृत मूर्तियों की विशेषता से युक्त है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

जगन्नाथ पुरी मंदिर:

- **जगन्नाथ पुरी मंदिर भारत के ओडिशा राज्य में** स्थित सबसे प्रभावशाली स्मारकों **में से एक है।**
  - इस मंदिर को **"व्हाइट पैगोडा"** के रूप में जाना जाता है और यह **चार धाम तीर्थयात्राओं (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम)** का एक हिस्सा है। **अत: कथन 1 सही है।**
- यह **कलिंग वास्तुकला** का एक शानदार उदाहरण है जो **घुमावदार शिखर, जटिल नक्काशी और अलंकृत मूर्तियों** की विशेषता के लिये विख्यात है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - मंदिर परिसर ऊँची दीवारों से घिरा हुआ है तथा इसके चारों द्वार चार मुख्य दिशाओं की ओर खुलते हैं।
  - मुख्य मंदिर में चार संरचनाएँ हैं: **विमान (गर्भगृह), जगमोहन (सभा कक्ष), नट-मंदिर (त्योहार कक्ष) और भोग-मंडप (प्रसाद कक्ष)**।
- जगन्नाथ पुरी मंदिर को **'यमनिका तीर्थ'** भी कहा जाता है, जहाँ हिंदू मान्यताओं के अनुसार, **पुरी में भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति** के कारण **मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति समाप्त** हो गई है।

57. कथकली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह ऋषि भरत द्वारा लिखित नाट्य शास्त्र पर आधारित है।
2. मणिप्रवालम, मलयालम और तमिल का मिश्रण, कथकली गीतों में इस्तेमाल की जाने वाली भाषा है।
3. इसे "पूर्व का गाथागीत" भी कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

कथकली:

- **उत्पत्ति और इतिहास:**
  - **कथकली का उदय 17वीं शताब्दी में त्रावणकोर (वर्तमान केरल) में हुआ था।**
    - इस कला रूप को **प्रारंभ में मंदिर परिसर में प्रदर्शित** किया जाता था और बाद में इसने **शाही दरबारों में लोकप्रियता हासिल** की।
  - कथकली **ऋषि भरत** द्वारा लिखित **नृत्य पर प्राचीन ग्रंथ नाट्य शास्त्र** पर आधारित है। **अत: कथन 1 सही है।**
    - हालाँकि कथकली **हाथों की मुद्राओं की व्याख्या के लिये ग्रंथ हस्तलक्षण दीपिका पर आधारित** है, जो एक अन्य शास्त्रीय पाठ है।
  - 20वीं शताब्दी की शुरुआत में **कथकली संकट में थी और विलुप्त होने के कगार पर थी।**
    - प्रसिद्ध कवि **वल्लथथोल नारायण मेनन और मनक्कुलम मुकुंद राजा** ने कथकली के पुनरुद्धार हेतु शास्त्रीय कला रूपों के लिये उत्कृष्टता केंद्र **केरल कलामंडलम** स्थापित करने की पहल की।
  - इसे **"पूर्व का गाथागीत" भी कहा जाता है। अत: कथन 3 सही है।**
- **नृत्य और संगीत:**
  - कथकली **नृत्य, संगीत, भाव-भंगिमा और नाटक के तत्त्वों** को जोड़ती है।
  - इसमें गति को अत्यधिक शैलीबद्ध किया जाता है और इसमें **जटिल चाल, लयबद्ध बोल तथा हाथों के विभिन्न इशारों को मुद्रा कहा जाता है।**
    - नर्तक **भावनाओं को व्यक्त करने और कहानियाँ सुनाने** के लिये अपने चेहरे के भावों का उपयोग करते हैं जिन्हें **रस** के रूप में जाना जाता है।
  - **मणिप्रवालम,** मलयालम और संस्कृत का मिश्रण, **कथकली गीतों में प्रयुक्त भाषा है। अत: कथन 2 सही नहीं है।**
    - कथकली गीतों के पाठ को **अट्टाकथा** के नाम से जाना जाता है।
    - **चेंडा, मद्दलम्, चेंगिला, इलत्तालम्** कथकली संगीत के साथ प्रयोग किये जाने वाले प्रमुख वाद्य यंत्र हैं।

58. सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) की सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित कलाकृतियों में से एक, डांसिंग गर्ल की मूर्ति, निम्नलिखित में से किस स्थान पर और किसके द्वारा खोजी गई थी?

A. अर्नेस्ट मैके द्वारा मोहनजोदड़ो में
B. माधो सरूप वत्स द्वारा मोहनजोदड़ो में
C. अर्नेस्ट मैके द्वारा लोथल में
D. माधो सरूप वत्स द्वारा लोथल में

उत्तर: A

व्याख्या:

- **डांसिंग गर्ल की मूर्ति सिंधु घाटी सभ्यता (IVC)** की सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित कलाकृतियों में से एक है, जिसे हड़प्पा सभ्यता के रूप में भी जाना जाता है।
- **इसकी खोज वर्ष 1926 में पुरातत्त्वविद् अर्नेस्ट मैके ने मोहनजोदड़ो में की थी,** जो प्राचीन विश्व की सबसे बड़ी और सबसे उन्नत शहरी बस्तियों में से एक थी।
- यह मूर्ति काँसे से बनी है और इसे लॉस्ट वैक्स तकनीक का उपयोग करके बनाया गया है।
- **अत: विकल्प A सही है।**

59. खीर भवानी मेला निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में मनाया जाता है?

A. जम्मू और कश्मीर
B. मध्य प्रदेश
C. राजस्थान
D. लद्दाख

उत्तर: A

व्याख्या:

खीर भवानी मेला:

- **कश्मीरी पंडित** जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में **माता खीर भवानी मंदिर** की **वार्षिक तीर्थयात्रा** पर जाते हैं। **अत: कथन 1 सही है।**

- मेला खीर भवानी का इतिहास सदियों पुराना है, जो लोगों की दिव्य, **माँ रागन्या देवी** के प्रति श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है। यह **ज्येष्ठ माह (जून-जुलाई)** में शुक्ल पक्ष या चंद्रमा के वैक्सिंग चरण के दौरान अष्टमी के दिन मनाया जाता है। यह जीवंत **उत्सव इस क्षेत्र में प्रचलित सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व और सांप्रदायिक सद्भाव को प्रदर्शित करता है, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है और कश्मीर की समृद्ध विरासत के लिये एक साझा प्रदर्शन** प्रस्तुत करता है।

60. जल्लीकट्टू के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. जानवरों के प्रति क्रूरता के आधार पर भारतीय पशु कल्याण बोर्ड बनाम ए. नागराजा मामले (2014) में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जल्लीकट्टू पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।
2. जल्लीकट्टू एक पारंपरिक सांडों को नियंत्रित करने वाला खेल है, जिसे मुख्य रूप से तमिलनाडु में पोंगल उत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- सर्वोच्च न्यायालय ने जानवरों के प्रति क्रूरता के आधार पर भारतीय पशु कल्याण बोर्ड बनाम ए. नागराजा मामले में मई 2014 में एक फैसले के माध्यम से जल्लीकट्टू पर प्रतिबंध लगा दिया। **अत: कथन 1 सही है।**
- जल्लीकट्टू को तमिलनाडु में एक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम माना जाता है, जिसे लोगों द्वारा उनकी जाति या पंथ की परवाह किये बिना मनाया जाता है।
- जल्लीकट्टू एक पारंपरिक सांडों को नियंत्रित करने वाला खेल है, जिसकी उत्पत्ति तमिलनाडु राज्य में हुई थी और इसे मुख्य रूप से पोंगल त्योहार के हिस्से के रूप में आयोजित किया जाता है, जो तमिलनाडु में मनाया जाने वाला एक फसल उत्सव है। **अत: कथन 2 सही है।**

61. बिहान मेले के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?

A. बिहान मेला ग्रामीण कारीगरों और शिल्पकारों को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार द्वारा आयोजित एक वार्षिक मेला है।
B. यह आंध्र प्रदेश के लोगों द्वारा आंध्र प्रदेश के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है।
C. यह ओडिशा में कोंध जनजाति द्वारा मनाया जाने वाला एक बीज उत्सव है।
D. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- बिहान मेला ओडिशा में कोंध जनजाति द्वारा मनाया जाने वाला बीज उत्सव है। किसानों द्वारा खरीफ फसलों, जिसमें धान, बाजरा, मक्का और ज्वार की संकर तथा देशी किस्में शामिल हैं, की कटाई के साथ ही इस उत्सव की तैयारी शुरू हो जाती है। **अत: विकल्प C सही उत्तर है।**

62. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा राजा रवि वर्मा के संबंध में सही है?

A. एक प्रसिद्ध भारतीय चित्रकार, जो अपने यथार्थवादी चित्रों और भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित चित्रकलाओं के लिये जाने जाते हैं।
B. एक प्रसिद्ध भारतीय राजनेता और स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने स्वतंत्रता के लिये भारत के संघर्ष में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
C. एक प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक जिन्होंने गणित के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
D. एक प्रसिद्ध भारतीय संगीतकार जिन्होंने शास्त्रीय संगीत में तबले के प्रयोग को लोकप्रिय बनाया।

उत्तर: A

व्याख्या:

राजा रवि वर्मा:

- वर्ष 1848 में जन्मे राजा रवि वर्मा एक प्रसिद्ध भारतीय चित्रकार थे, वर्ष 1906 में उनका देहांत हुआ।
- उन्हें भारतीय कला के इतिहास में सबसे महान चित्रकारों में से एक माना जाता है।
- वह भारतीय राजघराने के यथार्थवादी और सुस्पष्ट चित्रों के साथ-साथ भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित अपने चित्रों के लिये प्रसिद्ध हैं।
- उनकी शैली भारतीय और यूरोपीय कला तकनीकों का मिश्रण थी और उन्हें भारत में आधुनिक कला की शुरुआत करने वाले व्यक्तित्त्व के रूप में माना जाता है।
- **अत: विकल्प A सही उत्तर है।**

63. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये

1. त्र्यंबकेश्वर मंदिर शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है।
2. मंदिर का निर्माण 18वीं शताब्दी में तीसरे पेशवा बालाजी बाजीराव ने करवाया था।
3. यह नासिक, महाराष्ट्र में द्रविड़ शैली के मंदिर का एक आदर्श उदाहरण है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 1 और 3
D. केवल 2 और 3

उत्तर: A

व्याख्या:

- **त्र्यंबकेश्वर मंदिर:**
  - मंदिर में **केवल हिंदुओं को ही प्रवेश की अनुमति है, गैर-हिंदुओं को मंदिर में** प्रवेश की अनुमति नहीं है।
  - **त्र्यंबकेश्वर मंदिर** महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के त्र्यंबक शहर में स्थित एक प्राचीन और पवित्र हिंदू मंदिर है जो **भगवान शिव** को समर्पित है। यह **बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक**, शिव का सबसे पवित्र तीर्थस्थल है, जहाँ उन्हें **त्र्यंबकेश्वर** के रूप में पूजा जाता है **जो तीनों लोकों के स्वामी** हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
  - मंदिर का निर्माण 18वीं शताब्दी में **तीसरे पेशवा बालाजी बाजीराव** ने ब्रह्मगिरि पर्वत के निकट एक पुराने मंदिर के स्थान पर किया था,जहाँ से **गोदावरी नदी का उद्गम** होता है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - यह मंदिर **वास्तुकला की नागर शैली** में काले पत्थर से बना है और एक विशाल प्रांगण में घिरा हुआ है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

64. हाल ही में खबरों में रहा मालचा महल या विलाहट महल निम्नलिखित में से किस राजवंश से संबंधित है?

A. तुगलक वंश
B. लोदी वंश
C. मुगल वंश
D. खिलजी वंश

उत्तर: A

व्याख्या:

मालचा महल

- दिल्ली पर्यटन विभाग ने अपनी **बहुप्रतीक्षित 'हॉन्टेड वॉक'** शुरू किया है, जिसके लिये यात्रा हेतु पहले गंतव्य के रूप में **मालचा महल** को चुना गया।
- **मालचा महल या विलाहट महल तुगलक युग का एक शिकार क्षेत्र है, जिसे 14वीं शताब्दी में फिरोज शाह तुगलक ने बनवाया था।** इसका नाम मालचा मार्ग के नाम पर रखा गया है, जिसमें राजनयिकों, व्यापारियों और लेखकों सहित शहर के अभिजात वर्ग रहते हैं। **अत: विकल्प A सही है।**
- **फिरोज शाह तुगलक, जो कि तुगलक वंश का दिल्ली का एक सुल्तान था, ने 1351 से 1388 तक शासन किया था।** वह वास्तुशिल्प आकार की इमारतों की शुरुआत करने हेतु अधिक प्रसिद्ध है, जिन्हें उसके युग के दौरान अपरंपरागत के रूप में देखा गया था। **देश के एक बड़े हिस्से में नहरों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने के लिये नदियों को चैनलाइज़ करने हेतु उन्हें अंग्रेज़ों द्वारा भारत में सिंचाई प्रणाली का जनक भी माना जाता था।**

65. थिरुनेल्ली मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह मंदिर भगवान अयप्पा को समर्पित है।
2. मंदिर की वास्तुकला पारंपरिक केरल शैली की वास्तुकला का अनुसरण करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

थिरुनेल्ली मंदिर:

- **विषय:**
  - थिरुनेल्ली मंदिर, जिसे अमलका या सिद्ध मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, केरल के वायनाड ज़िले में एक विष्णु मंदिर है।
  - मंदिर का नाम घाटी में **एक आँवला के पेड़ पर आराम कर रहे भगवान विष्णु की मूर्ति** से मिलता है, जिसे **भगवान ब्रह्मा ने ब्रह्मांड की परिक्रमा** करते हुए खोजा था। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **थिरुनेल्ली मंदिर की वास्तुकला:**
  - थिरुनेल्ली मंदिर की **वास्तुकला पारंपरिक केरल शैली** का अनुसरण करती है। मंदिर में एक आंतरिक गर्भगृह है, जिसकी

छत की संरचना टाइल से बनी हुई है और इसके चारों ओर एक खुला प्रांगण है। **अत: कथन 2 सही है।**

66. 'सौराष्ट्र तमिल संगमम' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक ऐसा त्योहार है जिसका उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता और विरासत को बढ़ावा देना है।
2. यह उत्सव तमिलनाडु राज्य में आयोजित किया जा रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- सौराष्ट्र तमिल संगमम एक त्योहार है जिसका उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता और विरासत को बढ़ावा देना है। **अत: कथन 1 सही है।**
- यह गुजरात में कई स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सोमनाथ, द्वारका और केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी शामिल हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

67. उत्तरमेरुर अभिलेख के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. शिलालेख, राजाराज चोल के शासनकाल के समय का है, जो गाँव के स्व-शासन कार्य प्रक्रिया का विस्तृत विवरण प्रदान करता है।
2. ग्राम सभा विशेष रूप से ब्राह्मणों से बनी थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

व्याख्या:

- यह शिलालेख परांतक प्रथम (907-953 ईस्वी) के शासनकाल में गाँव के स्व-शासन के कार्य करने का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- यह सभा विशेष रूप से **ब्राह्मणों** से बनी होती थी और शिलालेख उन परिस्थितियों का विवरण भी प्रदान करता है **जिसमें सदस्यों को हटाया जा सकता था। अत: कथन 2 सही है।**
- सभा की सदस्यता ज़मींदार **ब्राह्मणों के एक छोटे उपवर्ग तक ही सीमित थी और कोई वास्तविक चुनाव की व्यवस्था नहीं थी।**
- सदस्यों को **ड्रा के माध्यम से उम्मीदवारों के योग्य समूह से चुना जाता था।**
- शिलालेख में सभा के भीतर विभिन्न समितियों, उनकी ज़िम्मेदारियों और सीमाओं का भी वर्णन किया गया है।
- **इन समितियों का कार्य 360 दिनों तक चलता था जिसके बाद सदस्यों को सेवानिवृत्त होना पड़ता था।**

68. थिरा नृत्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह केरल में मालाबार क्षेत्र के उपवनों और मंदिरों में किया जाने वाला एक आनुष्ठानिक नृत्य है।
2. यह कला रूप मलाया समुदाय के कलाकारों द्वारा प्रदर्शित किया जाता है जिन्हें "पेरुमलायंस" के रूप में जाना जाता है।
3. थिरा का उद्देश्य, देवताओं को अपने जीवन में लाने के एक तरीके के रूप में देखा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: D

व्याख्या:

- थिर्रा, जिसे **तेय्यम थिरा** के नाम से भी जाना जाता है, भारत के **केरल में मालाबार क्षेत्र के उपवनों और मंदिरों में किया जाने वाला एक आनुष्ठानिक नृत्य** है। **अत: कथन 1 सही है।**
- यह कला रूप **मलाया समुदाय** के कलाकारों द्वारा प्रदर्शित किया जाता है, जिन्हें "पेरुमलायंस (Perumalayans)" के रूप में जाना जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- थिरा का उद्देश्य, देवताओं को अपने जीवन में लाने के एक तरीके के रूप में देखा जाता है। ताड़ी, मादक पेय, देवताओं को एक भेंट के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और लगभग सभी कलाकार इसके प्रभाव में नृत्य करते हैं, जो "आविष्ट" होने की भावना पैदा करने में मदद करता है। **अत: कथन 3 सही है।**

69. कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये 'छात्रवृत्ति और फैलोशिप की योजना' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह योजना 18-25 वर्ष की आयु के चयनित लाभार्थियों को 2 वर्ष की अवधि के लिये छात्रवृत्ति प्रदान करती है।
2. इस योजना के तहत 40 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के चयनित अध्येताओं को सांस्कृतिक अनुसंधान के लिये दो वर्ष हेतु एक वरिष्ठ फेलोशिप प्राप्त होगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये छात्रवृत्ति एवं फैलोशिप की योजना 18-25 वर्ष की आयु के चयनित लाभार्थियों को 2 वर्ष की अवधि के लिये चार समान छह मासिक किस्तों में प्रतिमाह 5000 रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान करती है।
- इसके तहत 18-25 वर्ष आयु वर्ग के चयनित लाभार्थियों को 2 वर्ष की अवधि हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। **अत: कथन 1 सही है।**
  - कनिष्ठ अध्येतावृत्ति 25 से 40 वर्ष आयु वर्ग के चयनित अध्येताओं को 2 वर्ष के लिये प्रदान की जाती है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

70. असमिया गमोचा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह कपड़े का एक आयताकार टुकड़ा है जो विभिन्न रंगों और डिज़ाइनों में आता है और उनमें से सबसे लोकप्रिय चितकबरे प्रारूप के साथ लाल और सफेद हैं।
2. असमिया गमोचा को भौगोलिक संकेत (GI) प्रमाणन प्रदान किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

- असमिया गमोचा एक पारंपरिक हाथ से बुना हुआ सूती तौलिया है, जो असमिया संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है।
  - यह कपड़े का एक आयताकार टुकड़ा है। यह विभिन्न रंगों एवं डिज़ाइनों से बनता है जिसमें सबसे **लोकप्रिय लाल एवं सफेद फुलम वाले तौलिया हैं** जिन्हें 'गमोचा डिज़ाइन' के रूप में जाना जाता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- असमिया गमोचा ने अपने **अद्वितीय डिज़ाइन तथा सांस्कृतिक महत्त्व के लिये राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मान्यता** प्राप्त की है। **इसे भौगोलिक संकेत (GI) टैग दिया गया था,** जो इसकी उत्पत्ति एवं अनूठी विशेषताओं की पहचान को संदर्भित करता है। **अत: कथन 2 सही है।**

71. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	त्योहार	**क्षेत्र**
1.	साजिबु चेराओबा	मणिपुर
2.	उगादी	दक्कन क्षेत्र
3.	बोहाग बिहू	असम

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

A. कोई भी युग्म नहीं
B. केवल एक युग्म
C. केवल दो युग्म
D. तीनों युग्म

उत्तर: D

व्याख्या:

- **गुड़ी पड़वा और उगादी:**
  - ये त्योहार **कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र सहित दक्कन क्षेत्र** के लोगों द्वारा मनाए जाते हैं।
  - इसमें गुड़ (मीठा) और नीम (कड़वा) परोसा जाता है, जिसे दक्षिण में **बेवु-बेला** कहा जाता है, यह जीवन में आने वाले सुख और दुख का प्रतीक होता है।
  - **गुड़ी महाराष्ट्र में घरों में** तैयार की जाने वाली **एक गुड़िया है।**
    - उगादी पर **घरों में दरवाज़ों को आम के पत्तों से सजाया जाता है** जिन्हें कन्नड़ में तोरणालु या तोरण कहा जाता है।
- **साजिबू चेराओबा:**
  - यह **मणिपुर** के सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है।
  - यह **विशेष रूप से राज्य के मेइती लोगों द्वारा** बहुत धूमधाम और खुशी के साथ मनाया जाता है।
- **बोहाग बिहू:**
  - **बोहाग बिहू या रोंगाली बिहू जिसे जात (Xaat) बिहू** (सात बिहू) भी कहा जाता है, एक पारंपरिक आदिवासी जातीय त्योहार है जो असम के स्वदेशी जातीय समूहों द्वारा **असम और पूर्वोत्तर भारत के अन्य हिस्सों में** मनाया जाता है।
  - यह **असमिया नववर्ष** की शुरुआत का प्रतीक है।
  - यह आमतौर पर **अप्रैल के दूसरे सप्ताह** में मनाया जाता है एवं ऐतिहासिक रूप से फसल कटाई के समय को दर्शाता है।
- **अत: तीनों युग्म सही सुमेलित हैं।**

72. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	बौद्ध धर्म में मुद्राएँ	**मुद्रा का आशय**
1.	अंजलि मुद्रा	सम्मान, अभिवादन और आभार
2.	वितर्क मुद्रा	चेतावनी देना
3.	करण मुद्रा	बुद्ध अथवा बोधिसत्व का चित्रण
4.	तर्जनी मुद्रा	शिक्षाओं के संचार की मुद्रा

निम्नलिखित युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

A. केवल 1, 2 और 4
B. केवल 2 और 4
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: C

व्याख्या:

बौद्ध धर्म में मुद्राएँ:

- **बौद्ध धर्म में मुद्रा हस्त संकेत अथवा अवस्थाएँ हैं जिनका उपयोग ध्यान और अन्य अभ्यासों के दौरान किया जाता है** ताकि मन को केंद्रित करने, ऊर्जा को नियंत्रित करने और बुद्ध की शिक्षाओं को प्राप्त करने में मदद मिल सके।
  - **अंजलि मुद्रा:** यह बौद्ध धर्म में उपयोग की जाने वाली सबसे आम मुद्रा है और इसमें हथेलियों को छाती के सामने एक साथ दबाया जाता है, जिसमें उँगलियाँ ऊपर की ओर संकेत करती हैं।
    - **यह सम्मान, अभिवादन और कृतज्ञता का प्रतीक है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।**
  - **वितर्क मुद्रा:** इस मुद्रा को **"शिक्षण मुद्रा" या "चर्चा मुद्रा"** के रूप में भी जाना जाता है और इसमें दाहिने हाथ को ऊपर उठाने और अँगूठे एवं तर्जनी के माध्यम से वृत्त बनाना शामिल है। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**
    - यह ज्ञान के संचरण और बुद्ध की शिक्षाओं के संचार का प्रतीक है।
  - **करण मुद्रा:** इसमें बायाँ हाथ हृदय तक ऊपर लाया जाता है और हथेली आगे की ओर होती है। तर्जनी तथा छोटी उँगलियाँ सीधी ऊपर की ओर संकेत करती हैं, जबकि अन्य तीन उँगलियाँ हथेली की ओर मुड़ी हुई होती हैं।
    - **यह मुद्रा अक्सर बुद्ध या बोधिसत्व के चित्रण में देखी जाती है,** जिसे सुरक्षा और नकारात्मकता को दूर करने के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। कहा जाता है कि तर्जनी ज्ञान की ऊर्जा और बाधाओं को दूर करने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।**
  - **तर्जनी मुद्रा:** इसमें तर्जनी उँगुली को ऊपर की ओर बढ़ाया जाता है, जबकि अन्य उँगुलियों को हथेली की ओर मोड़ा जाता है। तर्जनी मुद्रा, जिसे **"भय के इशारे"** के रूप में भी जाना जाता है। **अत: युग्म 4 सही सुमेलित नहीं है।**
    - इसका उपयोग बुरी ताकतों या हानिकारक प्रभावों के खिलाफ चेतावनी या सुरक्षा के प्रतीक के रूप में किया जाता है।

73. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	राज्य	**सांस्कृतिक तत्त्व**
1.	सिक्किम	बुमचू महोत्सव
2.	नगालैंड	होजागिरी
3.	मणिपुर	लाइ हरोबा
4.	त्रिपुरा	उनाकोटि

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

A. केवल 1 युग्म
B. केवल 2 युग्म
C. केवल 3 युग्म
D. सभी चारों युग्म

उत्तर. C

व्याख्या:

- बुमचू एक वार्षिक पवित्र जल फूलदान अनुष्ठान है जो ताशीदिंग मठ (Tashiding Monastery) में मनाया जाता है, यह सिक्किम में रंगीत नदी के ऊपर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित सबसे पवित्र बौद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। **बुमचू का अर्थ तिब्बती में "पवित्र जल का बर्तन" है।**
- **होजागिरी नृत्य त्रिपुरा के प्रसिद्ध नृत्यों में से एक है, न कि नगालैंड के।** यह नृत्य होजागिरी उत्सवों या लक्ष्मी पूजा के अवसर पर किया जाता है।
- लाइ हरोबा, नृत्य का प्रारंभिक रूप है जो मणिपुर में सभी शैलीबद्ध नृत्यों का आधार है। इसका शाब्दिक अर्थ- देवताओं का आनंदोत्सव है। यह सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत और नृत्य की परंपरा के रूप में पेश किया जाता है।
- हाल ही में **त्रिपुरा के उनाकोटी** की रॉक-कट मूर्तियों को **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) द्वारा विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया।** यह 7वीं या 9वीं शताब्दी का शैव तीर्थ है। उनाकोटि का अर्थ है एक करोड़ से एक कम और कहा जाता है कि यहाँ पर बड़ी संख्या में चट्टानों को काटकर बनाई गई नक्काशियाँ उपलब्ध हैं।